www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 65 || लखनऊ
शुक्रवार
05 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:12
सूर्यास्तः 06:58
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 30°00

विशेष समाचार पर्यावरणीय संकट से... >> पेज 04 | बृजभूषण सिंह की बेटी सूर्या ... >> पेज 06 | 'महा दीवाली जल्दी आ गई'... >> पेज 07

कुछ पद सिर्फ कम शिक्षितों के लिए

सुप्रीम कोर्ट बोला : बड़ी डिग्री छिपाकर ये नौकरी हासिल करना गलत, यह असली हकदार से रोजगार छीनने जैसा

■ 22 मई को कुछ याचिकाकर्ताओं ने थ्री-लैंग्वेज रूल के इस सत्र से लागू करने के खिलाफ पीआईएल दाखिल की थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि किसी आरक्षित या कम शैक्षणिक योग्यता वाली नौकरी को हासिल करने के लिए अपनी उच्च शिक्षा या अतिरिक्त योग्यता छिपाना न केवल गलत है, बल्कि यह उस व्यक्ति के अधिकारों का भी हनन है जो वास्तव में उस पद का पात्र है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक नीति को लागू करते समय केवल सैद्धांतिक पक्ष नहीं देखा जा सकता, बल्कि उसके व्यावहारिक पहलुओं का भी मूल्यांकन आवश्यक है। पीठ ने कहा कि देश के कई हिस्सों में भाषा शिक्षकों और पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता पहले से ही चुनौती बनी हुई है। ऐसे में थ्री-लैंग्वेज रूल को लागू करने से पहले जमीनी स्तर की परिस्थितियों को समझना जरूरी है। अदालत ने संकेत दिया कि नीति का उद्देश्य शिक्षा को बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि छात्रों और शिक्षण संस्थानों पर अतिरिक्त बोझ डालना।

टीईटी पास करना सभी शिक्षकों के लिए अनिवार्य

शिक्षकों की योग्यता से जुड़े एक अन्य महत्वपूर्ण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 30 मई को स्पष्ट कर दिया कि स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) पास करना अनिवार्य होगा।

20 लाख से अधिक शिक्षकों पर पड़ेगा असर

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यदि बिना टीईटी योग्यता वाले शिक्षकों को लंबे समय तक सेवा में बने रहने दिया गया।

कोर्ट बोला- कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना सही

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम पढ़े-लिखे लोग कम योग्यता वाली नौकरियों में ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों का मुकाबला नहीं कर सकते हैं।

ऐसे में सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही है।

कोर्ट ने 2025 के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार सभी योग्य उम्मीदवारों को तय नियमों के तहत ही मिलना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि कोई उम्मीदवार तय सीमा से अधिक पढ़ा-लिखा है, उसे उस कम योग्यता वाले पद पर नियुक्ति का कोई स्वतः अधिकार नहीं मिल जाता।

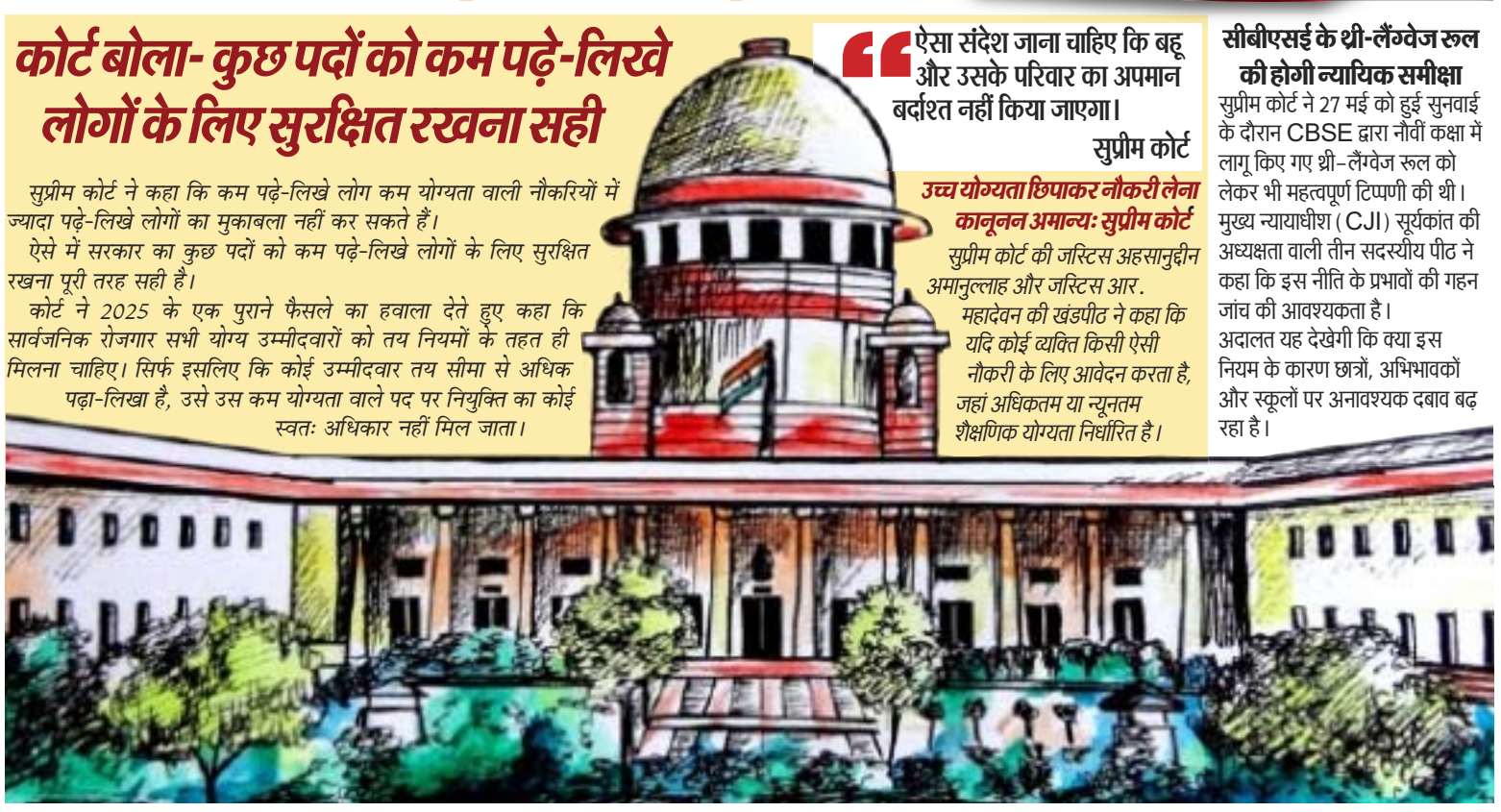

"ऐसा संदेश जाना चाहिए कि बहू और उसके परिवार का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"
सुप्रीम कोर्ट

उच्च योग्यता छिपाकर नौकरी लेना कानूनन अमान्यः सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की खंडपीठ ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी ऐसी नौकरी के लिए आवेदन करता है, जहां अधिकतम या न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित है।

सीबीएसई के थ्री-लैंग्वेज रूल की होगी न्यायिक समीक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई को हुई सुनवाई के दौरान CBSE द्वारा नौवीं कक्षा में लागू किए गए थ्री-लैंग्वेज रूल को लेकर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी। मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि इस नीति के प्रभावों की गहन जांच की आवश्यकता है। अदालत यह देखेगी कि क्या इस नियम के कारण छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है।

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

पुणे। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी।

ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी।

इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया।

मानसून केरलम पहुंचा, इस बार 3 दिन लेट

7 दिन भारी बारिश का अनुमान, एमपी में आंधी-बारिश

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/शिमला/देहरादून। मानसून केरलम पहुंच गया है। अगले 2-3 दिन यह गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु को कवर कर सकता है। वहीं, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, केरलम, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले 7 दिन में कुछ जगह भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में प्री मानसून एक्टिविटी के असर से आंधी-बारिश देखने मिल सकती है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है। इधर, मध्य प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई। इस दौरान 70kmph की रफ्तार से आंधी चली। कई इलाकों में पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गईं। दिल्ली-NCR में गुरुवार दोपहर को अंधेरा छा गया और तेज बारिश हुई। फिल्म सिटी में आंधी के बाद कई पेड़ टूटकर कारों पर गिर गए।

दिल्ली होटल आग, मालिक 4 दिन पुलिस रिमांड पर

जलती इमारत के पास से गुजरा था, किसी को बचाया नहीं, डरकर भागा

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाजअपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

हादसा होने की 4 बड़ी वजह

- खिड़कियां बंद थीं। वेंटिलेशन नहीं था। आने-जाने का सिर्फ एक रास्ता था। जगह काफी सकरी थी। बाहरी फायर एस्केप (आपातकालीन निकास) की कोई व्यवस्था नहीं थी। ऐसी इमारतें 'चिमनी' जैसी बन जाती हैं, धुआं-गर्मी कुछ ही सेकंड में ऊपर पहुंच जाती है।
- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, सेंसर आधारित मुख्य गेट बंद हो गया था। इसकी वजह से लोग बाहर ही नहीं निकल पाए।
- स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम जैसे जरूरी फायर सेफ्टी उपकरण काम नहीं कर रहे थे।
- ग्राउंड फ्लोर पर कई भारी एलपीजी सिलेंडर रखे गए थे, जिनके लिए कोई फायर-आइसोलेशन सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी।

फास्ट न्यूज

एमपी से तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल को राज्यसभा का टिकट

भोपाल। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए 11 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इनमें गुजरात से 4, मध्य प्रदेश और राजस्थान से 2-2, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर से 1-1 जबकि ओडिशा राज्यसभा उपचुनाव के लिए एक उम्मीदवार शामिल है।

हिमाचल कूल वेदर में समर वेकेशन एंजॉय कर रहे टूरिस्ट

शिमला। देश के मैदानी इलाकों में पड़ रही गर्मी के बीच बड़ी संख्या में टूरिस्ट हिमाचल प्रदेश का रुख कर रहे हैं। राज्य के टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर इससे रौनक बढ़ी है। शिमला, मनाली, कुफरी, कसौली और नारकंडा जैसे पर्यटन स्थलों पर इन दिनों पर्यटकों की अच्छी भीड़ देखने को मिल रही है और सुहावने मौसम का आनंद उठा रहे हैं। कोलकाता से कुफरी के महासू पीक पहुंचे टूरिस्ट ने बताया कि शिमला बहुत अच्छा है। यहां का मौसम भी सुहावना है। वह, 10 दिन के लिए हिमाचल टूर पर हैं।

शिमला में मूसलाधार बारिश, ऊंची चोटियों पर हिमपात

शिमला। हिमाचल के कई भागों में आज तेज बारिश और अधिक ऊंची चोटियों पर ताजा हिमपात हुआ। शिमला में दोपहर पौने एक बजे के बाद डेढ़ घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। इससे शहर की सड़कें पानी के तालाब में तब्दील हो गई। भारी बारिश के बाद टूरिस्ट के भरा रिज पूरी तरह खाली हो गया।

मैं भगोड़ा नहीं, दुनिया घूम रहा हूं : ललित मोदी

सरकार के हाथ बहुत लंबे, उससे पंगा नहीं ले सकते

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। IPL के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने कहा कि मेरे लिए भगोड़े शब्द का इस्तेमाल मीडिया की तरफ से किया गया। मेरे खिलाफ आज तक कोई केस नहीं है। गुरुवार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मैं बिल्कुल भी नहीं भाग रहा हूं। मैं पूरी दुनिया में घूम रहा हूं। अगर मैं भाग रहा होता, तो आप मुझे कहीं न कहीं पकड़ ही लेते। भारत सरकार की पहुंच बहुत लंबी है। आप भारत सरकार से पंगा नहीं ले सकते। और मेरा ऐसा कोई इरादा भी नहीं है। IPL को लेकर उन्होंने कहा कि मैं इसको लेकर हमेशा से पैशनेट रहा। आखिरकार IPL मेरे बच्चे जैसा है। मैं भले ही उससे जुड़ा हूं या नहीं, मुझे फर्क नहीं पड़ता। मेरे पिता अच्छे बिजनेसमैन थे, लेकिन आज मेरे परिवार को ललित मोदी की वजह से जाना जाता है। तब IPL को दक्षिण अफ्रीका ले जाने से पहले हमने शेड्यूल में 154 बार बदलाव किया। और फिर आखिरकार मिस्टर चिदंबरम का फरमान आया। उस समय वे गृह मंत्री थे।

यूपी सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं : योगी

पर्यटन से रोजगार-अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिल रही

बैठक

■ सीएम योगी पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए। पर्यटन नीति में बदलाव पर सीएम ने सहमति जताई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने गुरुवार, 4 जून को पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यूपी सिर्फ आस्था और धार्मिक पर्यटन का केंद्र नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

13.70 लाख से ज्यादा पांडुलिपियों का सर्वे और डिजिटलीकरण

बैठक में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े 'ज्ञान भारतम् मिशन' की भी समीक्षा की गई। सीएम ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं।

इनका प्रोटेक्शन और डिजिटलीकरण केवल रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का काम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का जरिया भी है।

सीएम योगी ने कहा- यूपी की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की बड़ी भूमिका है। पर्यटन के विस्तार से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी नए अवसर मिलेंगे।'

नौसेना शौर्य वाटिका और आईएनएस गोमती संग्रहालय की समीक्षा

सीएम ने लखनऊ में नव लोकार्पित नौसेना शौर्य वाटिका और निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राष्ट्रभक्ति, सैन्य गौरव और भारत की समुद्री विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। बैठक में बताया गया कि संग्रहालय में भारतीय नौसेना का इतिहास, समुद्री शक्ति, नौसैनिक अभियानों, आईएनएस गोमती की यात्रा और भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक के जरिए प्रदर्शित किया जाएगा। यहां इंटरैक्टिव गैलरी, सिम्युलेटर, युवा कैडेट एरीना और अनुभवात्मक प्रदर्शन भी होंगे।

ऐलान : एमपी से तरुण चुग, राजस्थान से सतीश पूनिया प्रत्याशी, 26 सीटों पर 18 जून को चुनाव

राज्यसभा चुनाव : भाजपा ने 11 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। BJP ने मध्यप्रदेश की दो सीटों के लिए राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और उद्योगपति रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। राजस्थान से पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और डॉ. अलका गुर्जर को प्रत्याशी बनाया है। गुजरात की चार सीटों पर राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया को उम्मीदवार बनाया गया है। अरुणाचल प्रदेश से ताई तागक और मणिपुर से ए. शारदा देवी को टिकट मिला है। ओडिशा में राज्यसभा की खाली सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी ने देवाशीष सामंतराय को उम्मीदवार घोषित किया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

एनडीए के पास 26 में से 18 सीट

राज्यसभा की जिन 26 सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें से NDA के पास अभी 18 (आंध्र प्रदेश से 1, गुजरात से 4, कर्नाटक से 3, राजस्थान-मध्य प्रदेश से 2-2, झारखंड, मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से एक-एक सीटे हैं)। वहीं कांग्रेस गठबंधन के पास 5 सीटे हैं। वहीं तीन अन्य सीटें YSRCP के खाते में हैं।

6 राज्यों से 11 उम्मीदवार

उम्मीदवार का नाम	राज्य
ताई तागक	अरुणाचल प्रदेश
राजूभाई शुक्ला	गुजरात
मुकेशभाई राठवा	गुजरात
मानसिंह परमार	गुजरात
जीतेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया	गुजरात
तरुण चुग	मध्य प्रदेश
रजनीश अग्रवाल	मध्य प्रदेश
ए. शारदा देवी	मणिपुर
अलका गुर्जर	राजस्थान
सतीश पूनिया	राजस्थान
देवाशीष सामंतराय	ओडिशा (उप-चुनाव)

ऐसे होता है राज्यसभा चुनाव

राज्यसभा सांसदों के लिए चुनाव की प्रक्रिया दूसरे चुनावों से काफी अलग है। राज्यसभा के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं यानी जनता नहीं बल्कि विधायक इन्हें चुनते हैं। चुनाव हर दो साल में होते हैं, क्योंकि राज्यसभा एक स्थायी सदन है।

तमिलनाडु, मेघालय और मिजोरम में भी प्रत्याशी घोषित

- तमिलनाडुः सीएम विजय की पार्टी टीवीके ने राज्य की एक राज्यसभा सीट कांग्रेस को दी है। पार्टी ने यहां से प्रवीण चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया है।
- मेघालयः मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस-द्वितीय(एमडीए-द्वितीय) ने नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के जेम्स पीके संगमा को सर्वसम्मति से उम्मीदवार बनाया है।
- मिजोरमः राज्य की एक सीट के लिए सत्ताधारी दल जोराम पीपुल्स मूवमेंट (ज़ेडपीएम) ने पार्टी प्रवक्ता के. लालतलुआंगकिमा को प्रत्याशी घोषित किया है।

दावा : टीएमसी नेता भीड़ के डर से बिस्तर के नीचे छिपा

'कट मनी' वापस मांगने पहुंचे लोगों ने घर घेरा, पुलिस ने बाहर निकाला

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के माथाभांगा में तृणमूल कांग्रेस (TMC) नेता शाहिदुल मियां का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वे बिस्तर के नीचे छिपते नजर आ रहे है। आरोप है कि शाहिदुल ने सरकारी आवास योजना में घर दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे लिए थे। लोगों को योजना का लाभ नहीं मिलने पर बुधवार को बंड़ी संख्या में लोग उनके घर पर पहुंच गए। भीड़ बढ़ने पर शाहिदुल घर के एक कमरे में जाकर बिस्तर के नीचे छिप गया। हालात बिगड़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें वहां से निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले गई। हालांकि तमसा संकेत इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। माथाभांगा-1 ब्लॉक के जोरपारकी ग्राम पंचायत क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि शाहिदुल ने 5 हजार से 20 हजार रुपए तक लिए थे।

■ ग्रामीणों की भीड़ ने शाहिदुल को घेरकर हंगाला किया।
■ पुलिस की टीम टीएमसी नेता को अपने साथ ले गई।

स्वच्छता से सुरक्षित जलवायु तक: ग्राम पंचायतों में जनआंदोलन बना 'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' अभियान

प्रदेशभर में गूंजेगा 'स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु' का संकल्प

चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर 01 से 05 जून तक प्रदेशभर में 'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' (SGSJ) अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय आधारित स्वच्छता को बढ़ावा देना, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करना, प्लास्टिक कचरे के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता

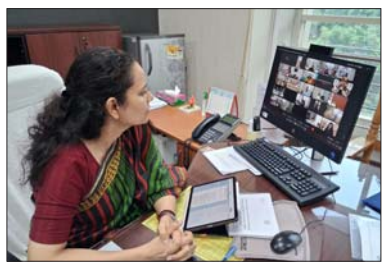

विकसित करना है। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों, स्थानीय समुदायों, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं एवं विभिन्न हितधारकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इसके माध्यम से स्वच्छता, सतत अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा जलवायु अनुकूल व्यवहार को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अभियान के प्रथम दिवस 01 जून को जनपदों में जिलाधिकारी महोदय, सीडीओ महोदय, डीडी पंचायतीराज एंवम डीपीआरओं की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पचास हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। जिसमें 2 लाख,13 हजार 183 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला में एसडब्ल्यूएम नियम-2026, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा ग्रामीण स्थानीय निकायों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

02 जून को 24 हजार 815 ग्राम पंचायतों से 1 लाख 35 हजार 761 पंचायत प्रतिनिधि एंवम ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायतों में स्थापित सामुदायिक ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन परिसंपत्तियों का मूल्यांकन एवं सत्यापन किया गया।

विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा

अभियान के अंतिम दिवस 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत पौधारोपण किया जाएगा तथा ग्राम सभाओं में ष्स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायुष् अभियान के उद्देश्यों एवं उपलब्धियों पर चर्चा होगी।

- विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशभर में गूंजेगा 'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' का संकल्प
- ग्रामीण भारत के हरित भविष्य की ओर बड़ा कदम: एसबीएम-जी का रॅरख अभियान
- स्वच्छता, पर्यावरण और जनभागीदारी का संगम बना 'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' अभियान

-पंचायतीराज मंत्री ओ0पी0 राजभर

सतत विकास की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित

मा. मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर जी ने कहा-'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' अभियान केवल स्वच्छता का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का एक जनआंदोलन है। ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका से हम स्वच्छ, हरित और सतत ग्रामीण विकास के लक्ष्य को साकार कर रहे हैं।

वही इस अभियान को लेकर मिशन निदेशक (स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण यूपी) श्रीमती गुंजन द्विवेदी ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण समुदायों को स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करने का प्रभावी माध्यम है। जनसहभागिता से गांवों में स्वच्छता और सतत विकास की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित हो रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के सभी अमृत सरोवर स्थलों पर 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यापक जनभागीदारी के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर केवल जल संरक्षण के केंद्र नहीं हैं, बल्कि इन्हें पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता के प्रभावी मंच के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा सभी जनपदों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि विश्व पर्यावरण दिवस पर अमृत सरोवरों के आसपास वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण एवं जैव विविधता संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- अमृत सरोवरों से पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश गांव-गांव तक पहुंचे

- केशव प्रसाद मौर्य

किए जाएं। साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली अन्य गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अमृत सरोवर स्थलों पर योग सत्र आयोजित कर स्थानीय समुदाय, स्कूली छात्र-छात्राओं, स्वयं सहायता समूहों, आजीविका मिशन की महिलाओं, पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों तथा अन्य हितधारकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

फास्ट न्यूज

लखनऊ के कल्ली पश्चिम में बूंदाबांदी

लखनऊ। लखनऊ के कल्ली पश्चिम में आज, गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे मौसम बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। करीब 20 मिनट तक बूंदाबांदी हुई। उसके बाद धूप निकल आई। हालांकि, अन्य इलाकों में धूप के बीच बादलों की आवाजाही बनी रही।

मौसम विभाग का अनुमान है कि आज तापमान 41C तक पहुंच सकता है। अगले 4 दिन में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाएगा।

लड़कियों को दूसरे राज्यों में बेचने वाले गिरोह का खुलासा

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज पुलिस ने नाबालिग लड़कियों को शादी के नाम पर राजस्थान में बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह की सरगना युवती समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह की सरगना युवती अपने लिव-इन पार्टनर के साथ आर्थिक रूप से कमजोर और असहाय लड़कियों को निशाना बनाती थी। उन्हें बहला-फुसलाकर राजस्थान भेजती थी। जहां उनकी पैसों के बदले शादी कराई जाती थी।

लखनऊ में महिला की मौत

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में 21 साल की महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह अपने पति के साथ रहती थी। अचानक तबीयत बिगड़ने पर पति ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भाई ने पति पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। शामली हेड़ीकर्म निवासी खुशी (21) पति सावेज के साथ गऊघाट ठाकुरगंज में किराए के मकान में रहती थी। पति शावेज साइकिल सर्कस में काम करता है।

प्रवक्ता भर्ती के साक्षात्कार 15 जून से होंगे प्रारंभ

आयोग ने जारी किया विस्तृत कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

- 18 विषयों के 624 पदों के लिए चयन प्रक्रिया का अगला चरण शुरू, 5 जून से डाउनलोड होंगे साक्षात्कार पत्र

लखनऊ । उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 02/2022 के अंतर्गत प्रवक्ता संवर्ग के 624 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। साक्षात्कार 15 जून 2026 से प्रारंभ होकर 27 जून 2026 तक विषयवार आयोजित किए जाएंगे।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रवक्ता पद की लिखित परीक्षा 09 एवं 10 मई 2026 को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 02 जून 2026 को घोषित किया गया। लिखित परीक्षा में औपबंधिक रूप से सफल घोषित अभ्यर्थियों को अब साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित होना होगा।

15 जून को वाणिज्य, कला, मनोविज्ञान, कृषि एवं गृह विज्ञान विषयों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। 16 जून को भौतिक विज्ञान एवं इतिहास, 17 जून को रसायन विज्ञान एवं समाजशास्त्र, 18 जून को नागरिक शास्त्र एवं गणित तथा 19 जून को जीव विज्ञान विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। इसी प्रकार 20 जून को संस्कृत, 22 जून को भूगोल एवं शिक्षा शास्त्र, 23 जून को अर्थशास्त्र, 24 जून को अंग्रेजी, 25 जून को अंग्रेजी एवं हिन्दी तथा 27 जून को हिन्दी विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।

योगी सरकार का सुशासन मॉडल

देश के लिए रोल मॉडल बना यूपी का पंचायती राज विभाग, 3 अभिनव पहलें राष्ट्रीय संकलन में शामिल

- यूपी पंचायती राज विभाग ने रचा नया इतिहास, वित्तीय पारदर्शिता और तकनीक में पूरे देश का नेतृत्व कर रहा उत्तर प्रदेश
- एआई तकनीक और डिजिटल गवर्नेंस से संवरा पंचायतों का भविष्य, पंचायती राज विभाग यूपी की तीन महा-योजनाओं को राष्ट्रीय सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गौरवशाली इतिहास में आज एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन और माननीय पंचायती राज मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का पंचायती राज विभाग ग्रामीण सुशासन और डिजिटल क्रांति की नई परिभाषा लिख रहा है। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सर्वश्रेष्ठ पहलों पर जारी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकलन 'नेशनल कंपेंडियम' में उत्तर प्रदेश की तीन अत्यंत महत्वपूर्ण और अभिनव पहलों को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा इन पहलों को राष्ट्रीय स्तर

भारत सरकार के नेशनल कंपेंडियम में उत्तर प्रदेश की तीन पहलों को जगह मिलना हमारे समस्त अधिकारियों एंवम कर्मचारियों की दिन-रात की मेहनत की स्वीकृति है।

नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का पंचायती राज विभाग ग्रामीण सुशासन और डिजिटल क्रांति की नई परिभाषा लिख रहा है। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सर्वश्रेष्ठ पहलों पर जारी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकलन 'नेशनल कंपेंडियम' में उत्तर प्रदेश की तीन अत्यंत महत्वपूर्ण और अभिनव पहलों को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा इन पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जाना इस बात का जीवंत प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश जमीनी स्तर पर तकनीकी बदलाव, ग्रामीण सुरक्षा और राजकोषीय हस्तांतरण में पूरे देश का नेतृत्व कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों को उत्तर प्रदेश सरकार ने अत्याधुनिक तकनीक के दम पर देश का रोल मॉडल बना दिया है। पंचायती राज विभाग ने ग्रामीण सचिवालयों को सीधे शासन की मुख्यधारा से जोड़कर न केवल बिचौलियों की भूमिका को समाप्त किया है, बल्कि अंतिम पायदान पर बैठे ग्रामीण के लिए सरकारी सेवाओं को उनके दरवाजे पर सुलभ कर दिया है।

'डिजिटल पंचायत - सशक्त पंचायत: यूपी पंचायती राज विभाग के सुशासन मॉडल को केंद्र सरकार ने सराहा, देश के लिए बना नजीर

ये हम सब के लिए अत्यंत गौरव का क्षण

इस ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर पंचायती राज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि- ये हम सब के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप हम 'डिजिटल पंचायत - सशक्त पंचायत' के विजन को धरातल पर उतार रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा हमारी तीन योजनाओं को राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्वीकार करना यह दिखाता है कि उत्तर प्रदेश देश में सुशासन की नई परिभाषा लिख रहा है। पंचायती राज विभाग के निदेशक श्री अमित कुमार सिंह ने कहा कि- हम 'विकसित पंचायत से विकसित भारत' के संकल्प को गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुरक्षा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के नए आयाम स्थापित किए : योगेन्द्र उपाध्याय

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूरे होने पर होंगे विशेष कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

- मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर प्रभार जनपद कानपुर में किया मीडिया संवाद
- मोदी सरकार के 12 वर्ष भारत के उत्कर्ष, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के स्वर्णिम वर्ष

- योगेन्द्र उपाध्याय

कानपुर / लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री एवं कानपुर के प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने गुरुवार को कानपुर में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के "सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण" को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इस अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों एवं रूपरेखा की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष भारत के उत्कर्ष, आत्मविश्वास और वैश्विक प्रतिष्ठा के वर्ष रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों पर लंबे समय तक सफल नेतृत्व प्रदान कर जनसेवा का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई है। जो भारत कभी विकासशील देशों की श्रेणी में पीछे माना जाता था, वह आज आर्थिक दृष्टि से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह देश के बढ़ते सामर्थ्य और वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है। मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से भारत ने तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भारत विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है ।

फर्जी मुद्रा और आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों पर भी प्रभावी अंकुश

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का सफल क्रियान्वयन और नोटबंदी जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों ने देश की अर्थव्यवस्था को संगठित एवं पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही फर्जी मुद्रा और आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों पर भी प्रभावी अंकुश लगा। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के आधारभूत ढांचे के विकास में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। नए एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, फ्लाईओवर, हवाई अड्डे और रेलवे अवसंरचना के विस्तार ने भारत को आधुनिक विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया है।

भारत की सुरक्षा नीति को नई मजबूती

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देशहित में अनेक ऐसे साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय लिए गए, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की जाती थी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 का हटाया जाना, आतंकवाद के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक तथा ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदमों ने भारत की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है। इन निर्णयों ने यह संदेश दिया कि भारत अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक चेतना का पुनर्जागरण हुआ है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ धाम का पुनर्विकास, सोमनाथ सहित अनेक प्रमुख तीर्थ स्थलों का सौंदर्यीकरण देश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देने वाला कार्य है। इन परियोजनाओं से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है ।

दो दिनों में 4.34 लाख से अधिक अभ्यर्थी हुए परीक्षा में शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

- टीजीटी परीक्षा का दूसरा दिन भी शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न : डॉ. प्रशांत कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2022 के अंतर्गत प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) संवर्ग के 15 विषयों की लिखित परीक्षा का दूसरा दिन गुरुवार को प्रदेशभर में शांतिपूर्ण, पारदर्शी, नकलविहीन एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुआ। परीक्षा के दौरान आयोग के मुख्यालय में स्थापित एआई इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड रूम से सभी परीक्षा केन्द्रों की सतत निगरानी की गई। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रथम पाली में प्रदेश के 504 परीक्षा केन्द्रों पर अंग्रेजी, गृह विज्ञान, जीव विज्ञान एवं संगीत वादन विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जबकि द्वितीय पाली में 471 परीक्षा केन्द्रों पर संस्कृत, वाणिज्य एवं कला विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। परीक्षा प्रदेश के 36 जनपदों में निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित की गई। आयोग के सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एआई आधारित कैमरों और अत्याधुनिक निगरानी तंत्र के माध्यम से सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर निरंतर नजर रखी गई। सघन निगरानी एवं सत्यापन के दौरान वाराणसी जनपद में एक फर्जी परीक्षार्थी दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। उसे तत्काल स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया तथा उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तबादले : स्तुति संभल सीओ बनीं, सूर्या के इलाके के एसीपी हटे, प्रियंका कानपुर भेजी गईं

206 पुलिस अफसरों के ट्रांसफर

तमसा संकेत, संवाददाता

- बकरीद के दिन गाजियाबाद में हुए चर्चित सूर्या हत्याकांड के बाद इंदिरापुरम सर्किल के एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव का तबादला रामपुर कर दिया गया है। अभिषेक श्रीवास्तव गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सूर्या हत्याकांड की जांच और कार्रवाई के दौरान उनका नाम भी चर्चा में रहा।

लखनऊ । योगी सरकार ने गुरुवार को 206 प्रांतीय पुलिस सेवा (PPS) अफसरों के तबादले किए हैं। इनमें 20 महिला पुलिस अफसर हैं। ट्रांसफर की लिस्ट में बड़ी संख्या में वे अधिकारी हैं, जो लंबे समय से एक ही जगह पर तैनात थे। इंस्पेक्टर से क्षेत्राधिकारी (CO) बने अफसरों के भी तबादले हुए हैं।

सीएम सुरक्षा में तैनात पुलिस उपाधीक्षक जितेन्द्र कुमार-II को शाहजहांपुर भेजा गया है। लखनऊ के सहायक पुलिस आयुक्त विकास कुमार जायसवाल को मुख्यमंत्री सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौतमबुद्धनगर से लखीमपुर खीरी ट्रांसफर किए गए एसीपी अरविन्द कुमार-II का तबादला निरस्त कर दिया गया। यानी वे वहीं बने रहेंगे।

कन्नौज की DSP प्रियंका बाजपेई को कानपुर भेजा गया है। उन्हें सहायक पुलिस आयुक्त बनाया गया है। बिजनौर के DSP सोम प्रकाश वर्मा को मऊ भेजा गया है। आगरा की सहायक पुलिस आयुक्त सुकन्या शर्मा को बागपत का DSP बनाया है। हापुड़ DSP स्तुति सिंह को संभल CO बनाया है। लखनऊ एसीपी सतीश कुमार राय को हटाकर मेरठ पीएसी भेजा गया है।

मेरठ की डीएसपी शुचिता सिंह का तबादला

मेरठ में परशुराम जयंती के जुलूस के दौरान फरसा और डंडा लहराने वालों को सख्त चेतावनी देकर चर्चा में आईं डिप्टी एसपी शुचिता सिंह का तबादला गाजियाबाद कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर कर दिया गया है।

परशुराम जयंती पर मेरठ में निकली शौर्य यात्रा के दौरान कई युवक हाथों में फरसा और डंडे लिए हुए थे। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहीं शुचिता सिंह ने माइक से ऐलान करते हुए कहा था कि फरसा और डंडा लहराने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हुआ था। वह मूल रूप से प्रतापगढ़ की रहने वाली शुचिता को प्रशिक्षण के दौरान सर्वश्रेष्ठ कैडेट का पुरस्कार भी मिल चुका है।

43 हजार से ज्यादा हैं इंस्टाग्राम फॉलोअर्स वाली प्रियंका बाजपेयी

कन्नौज में तैनात पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) डॉ. प्रियंका बाजपेयी का तबादला कानपुर कर दिया गया है। साल 2017 में उन्होंने पीसीएस परीक्षा में 6वीं रैंक हासिल कर टॉप-10 में जगह बनाई थी, जिसके बाद उनका चयन पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद पर हुआ।

डॉ. प्रियंका बाजपेयी सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 43 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर अपने पेशेवर जीवन और कार्यों से जुड़ी जानकारियां शेयर करती हैं। उनकी तस्वीरें और सोशल मीडिया पोस्ट्स अक्सर चर्चा का विषय बनी रहती हैं।

प्रवक्ता भर्ती के साक्षात्कार 15 जून से होंगे प्रारंभ विस्तृत कार्यक्रम जारी

18 विषयों के 624 पदों के लिए चयन प्रक्रिया का अगला चरण शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

- आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें तथा निर्धारित तिथि एवं समय पर सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ साक्षात्कार में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 02/2022 के अंतर्गत प्रवक्ता संवर्ग के 624 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। साक्षात्कार 15 जून 2026 से प्रारंभ होकर 27 जून 2026 तक विषयवार आयोजित किए जाएंगे। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रवक्ता पद की लिखित परीक्षा 09 एवं 10 मई 2026 को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 02 जून 2026 को घोषित किया गया। लिखित परीक्षा में औपबंधिक रूप से सफल घोषित अभ्यर्थियों को अब साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित होना होगा।

15 जून को वाणिज्य, कला, मनोविज्ञान, कृषि एवं गृह विज्ञान विषयों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। 16 जून को भौतिक विज्ञान एवं इतिहास, 17 जून को रसायन विज्ञान एवं समाजशास्त्र, 18 जून को नागरिक शास्त्र एवं गणित तथा 19 जून को जीव विज्ञान विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। इसी प्रकार 20 जून को संस्कृत, 22 जून को भूगोल एवं शिक्षा शास्त्र, 23 जून को अर्थशास्त्र, 24 जून को अंग्रेजी, 25 जून को अंग्रेजी एवं हिन्दी तथा 27 जून को हिन्दी विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थी अपना साक्षात्कार पत्र 05 जून 2026 से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.upessc.up.gov.in से डाउनलोड कर सकेंगे।

कुछ माह पहले जेल से छूटकर आया था, पिता की तहरीर पर कार्रवाई

घर में घुसकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। बिसवां कोतवाली क्षेत्र में एक 15 वर्षीय किशोरी के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर के अनुसार, 2 जून 2026 की सुबह करीब 2 बजे बेलदारी टोला निवासी सलमान पुत्र इस्लामुद्दीन उनके घर में घुस आया और घर में मौजूद उनकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। बताया गया कि घटना के दौरान किशोरी ने विरोध करते हुए शोर मचाया, जिससे घर के अन्य सदस्य जाग गए। परिजनों को आता

देख आरोपी मौके से भागने लगा। परिवार के लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह वहां से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि आरोपी काफी समय से उनकी पुत्री का पीछा कर रहा था, जिससे परिवार पहले से परेशान था।

चाकू दिखाकर धमकी देने का आरोप

पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी के हाथ में चाकू था। जब परिजनों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और घर का चैनल गेट खोलकर भाग निकला। घटना के बाद परिवार में भय और दहशत का माहौल बन गया।

पहले से कर रहा था पीछा, हाल ही में जेल से छूटा था आरोपी

पीड़िता के पिता का आरोप है कि सलमान आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और हाल ही में जेल से छूटकर आया था।

रायबरेली में तीन डिप्टी एसपी का तबादला

तीन नए अधिकारियों को मिली जिले में तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में तीन डिप्टी एसपी का गैर जनपद स्थानांतरण कर दिया गया है। वहीं, तीन नए डिप्टी एसपी को जिले में तैनाती मिली है। यह बदलाव शासन के निर्देशों के बाद हुआ है। स्थानांतरित किए गए अधिकारियों में डिप्टी एसपी अमित सिंह, अनिल सिंह और अरुण नौहार शामिल हैं। इन्हें क्रमशः हरदोई, अंबेडकर नगर और बस्ती भेजा गया है। गैर जनपद से रायबरेली आए नए डिप्टी एसपी आशीष निगम, सुरजीत कुमार राय और संतोष कुमार सिंह तृतीय हैं। ये अधिकारी रायबरेली में कार्यभार ग्रहण करने के बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा इन्हें नए सर्किल की कमान सौंपी जाएगी। आपको बताते चलें कि क्षेत्राधिकारी अमित सिंह ने सन 2023 में रायबरेली में

डिप्टी एसपी के पद पर कमान संभाली थी जिस दौरान उनका पहला कार्य क्षेत्र सलोन क्षेत्र था, वही अरुण नौहार को ऊंचाहार सर्किल का क्षेत्राधिकारी बनाया गया था, 2025 में अनिल सिंह ने रायबरेली में डिप्टी एसपी के रूप में तैनाती ली थी। जिस दौरान उनका शुरू से ही पुलिस लाइन का चार्ज दिया गया था। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह ने अमित सिंह को लालगंज का क्षेत्राधिकारी बनाया तो वहीं अरुण नौहार को सदर का चार्ज दिया था।

18 वर्षीय युवती ने की आत्महत्या

रायबरेली। रायबरेली में 18 वर्षीय युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यह घटना मिलएरिया कोतवाली थाना क्षेत्र के पहुरी गांव की है। परमेश्वर यादव की बेटी पूजा यादव (18) ने देर रात अपने कमरे में फांसी लगा ली। घटना के समय पूजा कमरे में अकेली थी, जबकि परिवार के अन्य सदस्य दूसरे कमरे में सो रहे थे। रात करीब 11 बजे पिता परमेश्वर यादव किसी काम से आंगन की ओर गए, जहां उन्होंने बगल के कमरे में पूजा का शव फंदे से लटका देखा। उन्होंने तुरंत परिवार के अन्य सदस्यों को बुलाया और पुलिस को सूचित किया।

जानकारी के अनुसार, पूजा ने वर्ष 2025-26 में जीव विज्ञान विषय से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वह दो बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी थी।

फास्ट न्यूज

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार मजदूर की मौत

उन्नाव। उन्नाव के बारास-गवर थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान 45 वर्षीय ज्ञानेंद्र कुमार पुत्र रामरूप के रूप में हुई है, जो तालिहई, बारासगवर, उन्नाव के निवासी थे। वह दिल्ली में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

देश में नौजवान छात्र आत्महत्या करने को मजबूर

हरदोई। आम आदमी पार्टी (AAP) के सांसद संजय सिंह बुधवार रात हरदोई पहुंचे। उन्होंने निरीक्षण भवन में नीट (NEET) और अन्य परीक्षाओं के पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। इस दौरान सांसद ने आप कार्यकर्ताओं से जिले में पार्टी की गतिविधियों समेत उनका हाल जाना। सांसद संजय सिंह ने 'डबल इंजन' सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि देश में नौजवान छात्र आत्महत्या करने को मजबूर हैं।

बाराबंकी में झमाझम बारिश, मौसम हुआ सुहावना

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में गुरुवार को हुई जोरदार बारिश से मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवाओं और झमाझम बारिश के कारण तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। हालांकि, इस बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में, विशेषकर मसौली विकास खंड के अनखा, सदरुद्दीनपुर, भयारा, मसौली, नेवला और शाहवपुर सहित आसपास के कई गांवों में अच्छी बारिश हुई।

ईंट-भट्ठे के पास गड्ढे में डूबे भाई-बहन

10 साल के बच्चे की मौत, 8 साल की बच्ची लखनऊ रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे ईंट-भट्ठे के पास पानी से भरे गड्ढे में डूबने से एक 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई, जबकि उसकी 8 वर्षीय मौसेरी बहन को गंभीर हालत में लखनऊ रेफर किया गया है। यह घटना शहर कोतवाली के खमरवा मजरा शहाबुद्दीनपुर में हुई।

घटना की सूचना मिलने पर एसडीएम सदर मयंक कुंडू और शहर कोतवाल संजय त्यागी मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

एसडीएम ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए नियमानुसार आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने घटना के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात भी कही। भट्ठे से लगभग 120-150 मीटर दूर एक पानी से भरे गड्ढे के पास से गुजरते समय विशाल उसमें गिर गया।

उसे बचाने के प्रयास में मोहिनी भी पानी में डूब गई। विशाल, शाहजहांपुर कोतवाली के सेरामऊ थाना क्षेत्र के गौटिया गांव निवासी अवधेश का बेटा था।

अवधेश दिल्ली में मजदूरी करते हैं, और

जानकारी के अनुसार, 8 वर्षीय मोहिनी अपने पिता मुरली के लिए ईंट-भट्ठे पर खाना लेकर जा रही थी। उसके साथ उसका मौसेरा भाई विशाल (10) भी था।

उनकी पत्नी किरन अपने दो बेटों नेहाल (10) और विशाल (8) के साथ गांव में थीं।

किरन 31 मई को विशाल के साथ अपनी बहन पुष्पा के घर आई थीं। पुष्पा के पति मुरली खमरवा मजरा शहाबुद्दीनपुर में ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करते हैं।

पुष्पा ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे उन्होंने मोहिनी के हाथ अपने पति के लिए खाना भेजा था, जिसके साथ विशाल भी गया था।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है।

खबर लिखे जाने तक मोहिनी की हालत भी काफी नाजुक बनी हुई थी। बच्चों के डूबने की जानकारी मिलते ही भट्ठा मजदूर मौके पर पहुंचे और दोनों को गड्ढे से बाहर निकाला।

मजदूरों ने निकाला शव

बच्चों के डूबने की जानकारी मिलते ही भट्ठा मजदूर मौके पर पहुंचे और दोनों को गड्ढे से बाहर निकाला। उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने विशाल को मृत घोषित कर दिया।

मोहिनी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया।

दिल्ली अग्निकांड के बाद उन्नाव फायर विभाग अलर्ट

13 होटल, रेस्टोरेंट और अस्पतालों की सुरक्षा जांच शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। दिल्ली के एक होटल में हुई आगजनी की घटना के बाद उन्नाव का अग्निशमन विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर जिले भर के होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच शुरू कर दी गई है। फायर विभाग की टीमें लगातार विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर कमियों को चिह्नित कर रही हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनूप सिंह ने गुरुवार को बताया कि डीजी फायर सर्विस और उन्नाव के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अब तक लगभग 12 से 13 होटल, रेस्टोरेंट और

अस्पतालों का निरीक्षण किया जा चुका है। जांच के दौरान अग्नि सुरक्षा उपकरणों, आपातकालीन निकास मार्गों, अग्निशमन यंत्रों और अन्य सुरक्षा मानकों का बारीकी से परीक्षण किया गया। सीएफओ ने बताया कि निरीक्षण में कई प्रतिष्ठानों में छोटी-बड़ी कमियां पाई गई हैं। कुछ स्थानों पर अग्निशमन उपकरण पर्याप्त संख्या में नहीं थे, जबकि कुछ संस्थानों में सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्थाएं नहीं मिलीं। ऐसे सभी संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर कमियों को तत्काल दूर करने को कहा गया है। जिन प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी उपकरणों की कमी पाई गई है, उन्हें तीन से पांच दिन का समय दिया गया है। इस अवधि में उन्हें सभी आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं पूरी कर विभाग को सूचित करना होगा। सीएफओ अनूप सिंह ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय के भीतर कमियां दूर नहीं की जाती हैं, तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। जांच के दौरान एक प्रतिष्ठान में भवन के पीछे लकड़ियों का गोदाम मिला, जिससे आपातकालीन निकास मार्ग बाधित हो रहा था।

न्यूड लाश कानपुर से 380 किमी दूर फेंकवाई, रेप की एफआईआर करवाई थी

हॉस्पिटल मालिक ने स्कार्पियों में लड़की की हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। उन्नाव के बड़े हॉस्पिटल उत्तम का मालिक 26 साल की लड़की की हत्या का आरोपी निकला है। रेप की FIR कराने पर उसने लड़की को मिलने बुलाया और स्कॉर्पियो के अंदर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। उसके भतीजे और सिक्योरिटी गार्ड ने कानपुर से 380 किमी दूर बुलंदशहर में शव को निर्वस्त्र कर फेंक दिया। लड़की की शिनाख्त न होने पर पुलिस ने उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया था। लड़की अपनी मां के साथ कानपुर में रहकर दरोगा भर्ती की तैयारी कर रही थी। बेटी के घर न लौटने पर मां ने आरोपी हॉस्पिटल संचालक देवकांत उत्तम और उसके भतीजे के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया।

दवा दिलवाने के बहाने लिया नंबर, फिर जाल में फंसाया

कानपुर डीसीपी दीपेंद्रनाथ चौधरी ने बताया कि उन्नाव की रहने वाली लड़की बर्रा बाइपास पर किराए के मकान में मां के साथ रहती थी। 10 फरवरी 2024 को वह उन्नाव आई थी। यहां उसकी तबीयत खराब हो गई। वह दवा लेने के लिए शेखपुर स्थित उत्तम हॉस्पिटल पहुंची। यहां देवकांत उत्तम ने कुछ देर में दवा दिलवाने की बात कहकर उसे केबिन में बैठने को कहा।

पुलिस के मुताबिक, 1 अगस्त 2025 को देवकांत ने शहर के कल्याणपुर स्थित अस्पताल में गर्भपात करा दिया। लड़की ने आरोपी से शादी करने को कहा, तो वह टालमटोल करने लगा। इसके बाद लड़की ने उससे मिलना-जुलना कम कर दिया। तभी आरोपी ने उसके न्यूड फोटो दिखाकर धमकी दी कि अगर वह दूर गई तो फोटो-वीडियो वायरल कर देगा।

तस्वीर दरोगा भर्ती की तैयारी करने वाली लड़की की है। आरोपी ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया था।

मध्य प्रदेश ले जाकर किया शारीरिक शोषण

डीसीपी के मुताबिक, दोनों कार से घूमने जाने लगे। आरोपी लड़की को अपने कानपुर स्थित फ्लैट पर ले गया, जहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। 24 जुलाई 2025 को आरोपी लड़की को मध्य प्रदेश ले गया।

दोनों होटल में ठहरे, जहां उसने लड़की का शारीरिक शोषण किया और अश्लील फोटो-वीडियो बना लिए। इसी बीच लड़की गर्भवती हो गई।

आरोपी विवेक ने पुलिस को गुमराह करने के लिए खुद को घायल कर लिया था। पुलिस ने उसे हैलट अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया।

फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी, लड़की ने की शिकायत

जब इसकी जानकारी आरोपी हॉस्पिटल संचालक देवकांत उत्तम को हुई, तो उसने लड़की की हत्या की साजिश रची। 21 मई को आरोपी ने लड़की को मिलने के लिए बर्रा बाइपास बुलाया। उसके साथ उसका भतीजा विवेक पटेल भी था।

दवा लेने निकला युवक लखनऊ में मृत मिला

रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा था शव, जनेश्वर मिश्र पार्क के पास मिली बाइक

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के मसौली थाना क्षेत्र के शहाबपुर निवासी 20 वर्षीय सलिल तिवारी लखनऊ में मृत पाए गए हैं। बुधवार दोपहर दवा लेने घर से निकले सलिल का शव देर रात गोमतीनगर क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के किनारे मिला। उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से क्षेत्र में शोक व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, सलिल तिवारी बुधवार दोपहर अपनी बाइक से दवा लेने के लिए घर से निकले थे। जब काफी समय तक वह वापस नहीं लौटे और उनसे संपर्क नहीं हो पाया, तो परिजनों को चिंता हुई। देर शाम तक कोई जानकारी न मिलने पर परिवार के सदस्यों ने उनकी तलाश शुरू की। देर रात लखनऊ पुलिस ने परिजनों को सूचित किया कि गोमती-नगर क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव बरामद हुआ है।

सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान सलिल तिवारी के रूप में की। पहचान के बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस जांच के दौरान सलिल की बाइक लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क के पास खड़ी मिली। बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस ने उनके परिजनों से संपर्क किया, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की पुष्टि की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

तैयारियां : 12 केंद्रों बनाए गए, 3682 अभ्यर्थी होंगे शामिल, 8 से 10 जून तक होगा एग्जाम

उन्नाव में पुलिस भर्ती परीक्षा

- डीएम-एसपी ने परीक्षा की तैयारियों को लेकर बैठक की।
- डीएम ने एसपी समेत सीओ से सुरक्षा को लेकर चर्चा की।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 8, 9 और 10 जून को होने वाली पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग मिलकर परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में एक

महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने बताया कि जनपद में पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के लिए कुल 12 केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर लगभग 3,682 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं और सभी संबंधित अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत करा दिया गया है। बैठक में परीक्षा संचालन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की जांच प्रक्रिया, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक इंतजामों के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टैटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा के दौरान पूरी सतर्कता और निष्पक्षता बरतने के लिए निर्देशित किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रश्नपत्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में ट्रेजरी का निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। प्रश्नपत्रों के सुरक्षित रख-रखाव और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं

जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और परीक्षा को पारदर्शी तथा नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा बलों की पर्याप्त तैनाती रहेगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था

"परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। यह क्रम तीनों दिन जारी रहेगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उन्नाव पहुंचेंगे, जिसके मद्देनजर उनके आवागमन और अन्य सुविधाओं की भी व्यवस्था की गई है।

फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशासन और पुलिस विभाग के समन्वय से पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न कराई जाएगी।

तहसीलदार की मां लापता, आमिर खान के भाई की गुहार

हरदोई पहुंचे अभिनेता फैजल खान, बोले- पैतृक जमीन देखने आया

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। बॉलीवुड में मिस्टर परफे-क्शनिस्ट नाम से मशहूर अभिनेता आमिर खान के बड़े भाई और मेला फिल्म में अभिनय करने वाले अभिनेता फैसल खान अपने पैतृक गांव यूपी के हरदोई के शाहबाद पहुंचे। उन्होंने यहां तहसीलदार संध्या यादव की लापता मां लल्ली देवी (71) के लिए गुहार लगाई। अभिनेता फैसल खान ने प्रेसवार्ता में कहा– लल्ली देवी एक महीने से लापता हैं, परिवार उनकी तलाश में लगातार प्रयास कर रहा है। लल्ली देवी की सकुशल जानकारी देने या उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने वाले व्यक्ति को 2 लाख 51 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। फैसल खान ने सभी से सहयोग की अपील की। इस दौरान छोटे भाई आमिर खान के पति

उनके मन में खटास एक बार फिर दिखी। जब फैसल खान से पूछा गया कि आमिर खान साथ में क्यों नहीं आए तो फैसल खान ने कहा– वो कोई गाय-भैंस तो हैं नहीं कि पकड़कर ले आऊं, जब मन होगा खुद आ जाएंगे। तहसीलदार संध्या यादव ने बताया– उनकी मां लल्ली देवी 30 अप्रैल 2026 को लखनऊ के अर्जुनगंज-अहिमामऊ क्षेत्र स्थित एक मंदिर में दर्शन करने गई थीं। मंदिर से निकलने के बाद वह रास्ता भटक गईं और फिर घर नहीं लौट सकीं। आखिरी बार उन्हें अहिमामऊ स्थित शहीद पथ सर्विस लेन के पास फौजी ढाबा क्षेत्र में देखा गया था। इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल सका है। परिवार ने मामले में लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस के साथ-साथ परिजन भी लगातार उनकी तलाश में जुटे हुए हैं।

संध्या यादव ने बतायाझ लल्ली देवी की लंबाई लगभग पांच फीट है। वह अंतिम बार लाल साड़ी और हरी चूड़ियां पहने हुए देखी गई थीं। उनकी पहचान का सबसे प्रमुख चिन्ह बाएं हाथ पर बना 'लल्ली देवी' और 'रामधारी' नाम का टैटू है।

सम्पादकीय

अंधेरगर्दी की आग

दिल्ली में अवैध तरीके से विस्तारित हो रहे एक भवन के गिरने की चर्चा थमी भी नहीं थी कि एक होटल में आग लगने से 21 लोग मारे गए और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में अधिकांश वे हैं, जो पड़ोस के अस्पताल में अपने स्वजनों के उपचार के लिए आए थे। इनमें कई विदेशी भी थे। आग होटल के बेसमेंट में स्थित रेस्त्रां में लगी। आग लगने का कारण कुछ भी हो, उसने इसलिए विकराल रूप ले लिया, क्योंकि रेस्त्रां और 25 कमरों वाले इस होटल में निकास का दरवाजा एक ही था। इससे भी खतरनाक बात यह थी कि न तो आग से बचाव के उपाय थे और न ही अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाणपत्र। साफ है कि अग्निशमन विभाग ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई कि इस होटल में आग से बचाव के उपाय हैं या नहीं?

तथ्य यह भी है कि इस होटल में कई कमरे अवैध तरीके से निर्मित हुए। छह की जगह 25 कमरे बना दिए गए और इस तरह एक छोटा होटल बड़े होटल में तब्दील हो गया। कहीं पर किसी भी भवन में अवैध निर्माण इस तरह करना संभव नहीं कि वह किसी को दिखे नहीं, पर दिल्ली ही नहीं, देश भर में स्थानीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी कुछ ले-देकर न केवल अवैध निर्माण होने देते हैं, बल्कि सुरक्षा उपायों की उपेक्षा भी। नतीजा यह है कि रह-रह कर आग लगने की जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं।

जनहानि वाली हर घटना के बाद गहन जांच और दोषियों को सख्त सजा देने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, पर होता कुछ नहीं है। इस बार भी कुछ न हो तो हैरानी नहीं, क्योंकि हमारे औसत शासक-प्रशासक गंभीर हादसों से भी सबक न लेने के आदी हो गए हैं। स्थानीय निकायों के वे अधिकारी-कर्मचारी कभी कठोर दंड का पात्र नहीं बनते, जो अवैध निर्माण और सुरक्षा उपायों की अनदेखी के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होते हैं। संबंधित मंत्री की भी कोई जवाबदेही नहीं तय होती। बहुत होता है तो एक-दो अधिकारियों-कर्मियों का निलंबन हो जाता है। इसके बाद सब शांत हो जाता है और जांच रपटें धूल फांकती रहती हैं एवं हादसों को निमंत्रण देने वाला निर्माण होता रहता है। नगर निकायों के बेलगाम भ्रष्टाचार के कारण होने वाले अवैध निर्माण के चलते ही देश भर में रिहायशी इलाके व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र बनते जा रहे हैं।

सरकारें बदल जाती हैं, नगर निकायों के अधिकारी भी बदल जाते हैं, लेकिन यदि कुछ नहीं बदलता तो अवैध निर्माण और सुरक्षा उपायों की अनदेखी का सिलसिला। यह जानलेवा और शर्मनाक सिलसिला लोगों की जानें ही नहीं ले रहा है, देश की बदनामी कराने के साथ विकसित भारत की अपेक्षाओं पर पानी भी फेर रहा है। बार-बार पहले जैसे कारणों से हादसे होना अंधेरगर्दी, नाकारापन और नियामकीय बेशर्मी के अतिरिक्त और कुछ नहीं।

जीवन में धर्म का प्रभाव बना रहें

आचार्य तुलसी द्वारा रचित ये गीत अरे , धार्मिको किस प्रवाह में अब भी बहते जाते हो । सत्य धर्म की सही शान को खोते या रख पाते हो । गीत की पंक्तियाँ सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं । > धर्म की मजबूत नींव पवित्र आचरण ही कर सकता हैं । ज्ञान , विनम्रता, बुद्धि, भीतर का साहस, अच्छे कर्म, सच बोलने की आदत और ईश्वर में सच्चा विश्वास आदि हमें किसी भी विपत्ति से बचाएगा। हम जब योग, ध्यान और साधना आदि की बात करते हैं तो साधारणतया शरीर को मात्र एक साधन समझ कर अनदेखा कर देते हैं। ऐसा करते हुए हम नहीं समझते हैं कि यदि शरीर ही स्वस्थ नहीं रहेगा तब वह किसी भी प्रकार की साधना नहीं कर सकेगा। अतः समझना होगा कि छोटी या विशेष किसी भी प्रकार की साधना के लिए शरीर की तो मुख्य भूमिका है।अन्यथा सब कुछ बाधित होना निश्चित है। अतः शरीर की स्वस्थता के लिए हम हल्का सात्विक भोजन लें। वह दिन में लगभग आधा घंटा भ्रमण करें,निश्चिंत होकर निद्रा लें आदि- आदि। हम समझें कि ये क्रियायें केवल स्वास्थ्यवर्धक ही नहीं आध्यात्मिक अनुशासन भी है । हम शरीर को दंड नहीं प्रेम दें ताकि वह हमारी साधना में सहायक रहे। यह तो निर्विवाद है कि > कमजोर और बीमार शरीर में पर्याप्त ऊर्जा नहीं रहती और बिना ऊर्जा साधना नहीं हो सकती। अतः हम समझें किसी भी तरह की साधना के लिए शरीर को स्वस्थ रखने पर ध्यान दीजिए इसे आध्यात्मिक अनुशासन समझिए। हमारी सोच के मनोभाव जैसे होंगे वैसा ही हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ेगा । क्योंकि हमारे केवल मन की तरंगें ही विचार नहीं हैं, वे चेतना को दिशा देते हैं । वह ऊर्जा को आकार देने वाली होते हैं । इसी प्रक्रिया से ही तो वे हमारे स्वप्न साकार करते हैं । हर विचार एक बीज हैं जो चित्त में पड़ कर फलित होता है। इसीलिए तो हम देखते हैं कि अच्छे विचार शान्ति, करुणा, साहस आदि जैसे सद्गुण पैदा करते हैं तथा नकारात्मक विचार भय, क्रोध, द्वेष जैसे दुर्गुण उत्पन्न करते हैं ।अतः अभीष्ट है कि हम अपने विचारों को सही दिशा में साधें और जीवन निर्माण की ओर लगा दें। मंगल के संदर्भ में शास्त्र में कहा गया हैं कि धर्म उत्कृष्ट मंगल हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया।

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" (ठमंज च्सं्जपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और

अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा।

- ललित गर्ग

इस नीतिगत ...

मणिमाला शर्मा

कैसी हरित ऊर्जा, जो मरुधरा के कल्पवृक्ष को ही उजाड़ दे?

हर साल 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' का सालाना तमाशा शुरू होता है, जहाँ कॉर्पोरेट पीआर एजेंसियां, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और नीति निर्माता गमलों में कागजी पौधों के साथ तस्वीरें खिंचवाकर 'स्वच्छ ऊर्जा' और 'ग्रीन फ्यूचर' का पाखंडी राग अलापते हैं। लेकिन वैश्विक मंचों पर कार्बन रेटिंग सुधारने की इस कवायद की सबसे क्रूर और रक्तरंजित कीमत भारत का थार मरुस्थल चुका रहा है। पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर जिलों में तथाकथित पर्यावरण अनुकूल सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार के नाम पर जो कुछ चल रहा है, वह विकास नहीं बल्कि एक सुनियोजित 'पारिस्थिकी नरसंहार' है।

राजस्थान सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा नीति के तहत 2030 तक 125 गीगावाट हरित ऊर्जा का जो विशालकाय लक्ष्य तय किया है, उसकी वेदी पर राजस्थान के राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' (प्रोसोपिस सिनेरिया) की निर्मम बलि चढ़ाई जा रही है। पर्यावरण सुधार का दावा करने वाली तकनीक खुद पर्यावरण के कत्लेआम का औजार बन चुकी है। हाल ही में राजस्थान उच्च न्यायालय ने इस पर अत्यंत तीखी टिप्पणी करते हुए इसे ₹भयानक विडंबना₹ करार दिया है।

अदालत की यह फटकार प्रमाणित करती है कि हमारा आधुनिक विकास मॉडल अपनी दिशा और संवेदनशीलता पूरी तरह खो चुका है।

इस नीतिगत अंधेपन की सबसे बड़ी मार थार की 'लाइफलाइन' कहे जाने वाले खेजड़ी वृक्ष पर पड़ी है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो खेजड़ी इस विषम शुष्क क्षेत्र की 'कीस्टोन प्रजाति' है, जिसके बिना मरुस्थल के पूरे इकोसिस्टम का ढह जाना तय है। इसकी जड़ें ज़मीन में 30 मीटर से भी अधिक गहराई तक जाकर मरुभूमि की रेत को बांधती हैं। सदियों से यह मरुस्थलीकरण (Desertification) को रोकने और रेतीले टीलों को आगे बढ़ने (Desert March) से रोकने का एकमात्र प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। वैज्ञानिकों के मुताबिक़ यदि खेजड़ी नहीं रही, तो थार का दायरा तेजी से अरावली की पहाड़ियों को लांघकर दिल्ली, हरियाणा और उत्तर भारत के उपजाऊ मैदानी इलाकों को अपनी चपेट में ले लेगा। जलवायु परिवर्तन का जो संकट आज कागजों पर अमूर्त लगता है, वह कल हमारे दरवाज़े पर धूल के भयानक बवंडर बनकर दस्तक देगा।

राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने इस राज्य वृक्ष के कत्लेआम पर सख्त रुख अपनाते हुए साफ कहा है कि तकनीकी प्रगति के नाम पर प्रकृति का विनाश किया जा रहा है। कोर्ट ने ऐतिहासिक 1730 के जोधपुर के खेजड़ली बलिदान को याद करते हुए टिप्पणी की है कि आज के शासकों को भी उसी तरह का 'फरमान' जारी करने की जरूरत है जो उस समय राजाओं ने पर्यावरण रक्षा के लिए जारी किया था। उच्च न्यायालय ने सख्त निर्देश दिए हैं कि बिना कानूनी मंजूरी के एक भी खेजड़ी का पेड़ नहीं काटा जाएगा। इसके बाद राज्य सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है कि वैकल्पिक रास्तों को तलाशा जाए ताकि 'ग्रीन एनर्जी' के ग्रिड स्थापित करने के लिए इस दुर्लभ प्रजाति को नुकसान न पहुंचे। सरकार और बड़ी सौर ऊर्जा कंपनियों की सबसे बड़ी नीतिगत भूल यह है कि वे मरुस्थल की बंजर दिखने वाली जमीनों को आधिकारिक तौर पर 'वेस्टलैंड' (अनुत्पादक भूमि) मान लेते हैं। लेकिन थार कोई मृत भूमि नहीं है। यहाँ प्रति आधा वर्ग किलोमीटर में मुश्किल से एक या दो दुर्लभ खेजड़ी के पेड़ प्राकृतिक रूप से उगते हैं, जो सदियों से इस पारिस्थितिकी को जीवित रखे हुए हैं। इन पेड़ों को काटकर वहां कंक्रीट के आधार बनाना और चमकीले सौर पैनल बिछाना स्थानीय जैव विविधता का गला घोंटना है। खेजड़ी केवल एक पेड़ नहीं है, यह नाइट्रोजन स्थिरीकरण (Nitrogen Fixation) के जरिए मिट्टी को जीवन देता है। इसके साए में ही मरुस्थल के किसान अपनी पारंपरिक फसलें उगाते हैं और भीषण गर्मी में राज्य पक्षी गोडावण (Great Indian Bustard), चिंकारा, और काले हिरण जैसे संकटग्रस्त जीव शरण लेते हैं।

ड्रैगन फ्रूट की खेती में हरदोई के किसानों को मिला बेहतर आय का विकल्प

उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद के किसानों ने पारंपरिक कृषि की सीमाओं को लांघकर बागवानी के क्षेत्र में सफलता का एक नया अध्याय लिखा है। जनपद के संडीला क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट यानी कमलम की खेती ने प्रगतिशील किसानों के जीवन में समृद्धि के नए द्वार खोल दिए हैं। वर्ष 2026 में संडीला के किसानों द्वारा किया गया यह अभिनव प्रयोग पूरे जनपद की बागवानी और कृषि क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। किसानों ने अपनी कड़ी मेहनत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उस ऊसर और कम उपजाऊ भूमि को मुनाफे के बड़े सौदे में तब्दील कर दिया है जिसे कभी कृषि के लिहाज से अनुपयोगी मान लिया गया था। यह सफलता इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि कम पानी और कम लागत में भी बेहतर प्रबंधन के जरिए कृषि को एक बेहद आकर्षक और व्यावसायिक रूप दिया जा सकता है।

संडीला की भौगोलिक स्थिति और यहां की जलवायु भी इस नई फसल के लिए वरदान साबित हुई है। यहां का गर्म और शुष्क मौसम ड्रैगन फ्रूट के पौधों के विकास के लिए पूरी तरह अनुकूल है। चूंकि इस पौधे को बहुत अधिक सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए यह क्षेत्र के गिरते भूजल स्तर को सुधारने और जल संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित हो रहा है। वर्तमान में इन नए बागों से उत्पादित होने वाला ड्रैगन फ्रूट अपनी उच्च गुणवत्ता के कारण हरदोई की स्थानीय मंडियों में हाथों-हाथ बिक रहा है। इसके साथ ही महानगरों और राजधानी लखनऊ के बड़े आउटलेट्स व सुपरमार्केट्स में भी इसकी भारी मांग देखी जा रही है। उच्च पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण उपभोक्ताओं के बीच इसकी बढ़ती लोकप्रियता ने बाजार में इसके भाव को बेहद मजबूत बनाए रखा है जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतरीन मूल्य मिल रहा है।

ड्रैगन फ्रूट को आज के समय में सुपरफूड माना जाता है। इसमें कई पोषक तत्व, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जिसके कारण बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। यही वजह है कि किसान भी अब इसकी खेती की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इस फसल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि एक बार पौधे लगाने के बाद कई वर्षों तक उत्पादन मिलता रहता है। इसके अलावा ड्रैगन फ्रूट की कीमत बाजार में सामान्य फलों की तुलना में काफी अधिक होती है, जिससे किसानों को बेहतर आय प्राप्त होती है। किसानों के इस व्यक्तिगत प्रयास को धरातल पर एक बड़े आर्थिक बदलाव में बदलने का श्रेय प्रदेश सरकार की किसान-अनुकूल नीतियों और जिला प्रशासन के सक्रिय सहयोग को जाता है। जिला उद्यान विभाग के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को एकीकृत बागवानी विकास मिशन और मुख्यमंत्री औद्यानिक विकास योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिला। इन योजनाओं के अंतर्गत किसानों को ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए बड़ा अनुदान प्रदान किया गया जिससे शुरुआती लागत का बोझ काफी कम हो गया। तकनीकी सहायता के मामले में जिला प्रशासन ने इजरायली पद्धति और टपक सिंचाई यानी ड्रिप इरिगेशन जैसी उन्नत जल संरक्षण तकनीकों को बढ़ावा दिया। इससे संसाधनों का न केवल अधिकतम और सटीक उपयोग सुनिश्चित हुआ बल्कि कम पानी में भी पौधों का बेहतर विकास संभव हो सका। ड्रैगन फ्रूट की खेती शुरू करने के लिए फरवरी से मार्च का समय सबसे उपयुक्त माना जाता है।

जरा हटके

लहचूरा बांध परियोजना...

इंजेश सिंह, अति0 जिला सूचना अधिकारी

लहचूरा बाँध परियोजना से बुंदेलखंड में बढ़ी सिंचाई क्षमता

उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र वर्षों तक जल संकट, अल्प वर्षा और सूखे की समस्या से जूझता रहा है। यहां के किसानों की खेती मानसून पर निर्भर रहती थी, जिसके कारण कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों प्रभावित होते थे। ऐसे समय में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा महोबा जनपद में संचालित लहचूरा बांध अपर्टिनेंट कार्य परियोजना ने क्षेत्र के विकास में एक नई आशा का संचार लाया है। यह परियोजना केवल एक बांध निर्माण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने किसानों के जीवन, कृषि उत्पादन, जल संरक्षण तथा क्षेत्रीय विकास को नई दिशा प्रदान की है।

सरकार द्वारा 1930.49 लाख रुपये की लागत के लहचूरा बांध के अपर्टिनेंट कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृत प्रदान की गयी थी। इस परियोजना के अंतर्गत महोबा जनपद की कुलपहाड़ तहसील में ग्राम रैपुरा हरदोनीफ के समीप धसान नदी पर स्थित लहचूरा बांध को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया।

लहचूरा बांध बुंदेलखंड क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजना है। इस बांध से सैकड़ो किलोमीटर लंबी धसान नहर प्रणाली संचालित होती है, जिसके माध्यम से लगभग 31,910 हेक्टेयर रबी एवं 14,575 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इस नहर से हजारों किसानों को वर्षभर सिंचाई का लाभ प्राप्त हो रहा है। यह परियोजना क्षेत्रीय कृषि अर्थव्यवस्था

को मजबूत करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है।

इस परियोजना की विशेषता यह रही कि इसमें केवल मूल निर्माण कार्य ही नहीं, बल्कि अनेक आवश्यक सहायक कार्य भी कराए गए। लहचूरा बांध स्पिलवे के डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में एप्रन सुरक्षा हेतु रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया गया, जिससे जल प्रवाह के कारण होने वाले कटाव को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त बांध के दाएं मार्जिनल बांध का निर्माण, लैण्ड स्केपिंग तथा पार्कों का विकास भी कराया गया। इन कार्यों ने बांध क्षेत्र को न केवल सुरक्षित बनाया बल्कि इसे सौंदर्यपूर्ण स्वरूप भी प्रदान किया है।

परियोजना के अंतर्गत फ्लड गेटों का कम्प्यूटरीकरण (स्काडा सिस्टम) स्थापित किया गया, जो इस योजना का अत्यंत आधुनिक एवं महत्वपूर्ण भाग है। इस तकनीक के माध्यम से जल स्तर की निगरानी और फाटकों का संचालन अधिक प्रभावी एवं सुरक्षित तरीके से किया जाने लगा। इससे बाढ़ नियंत्रण, जल प्रबंधन तथा आपदा नियंत्रण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान समय में लहचूरा बांध में जलस्तर बढ़ने पर फाटकों का नियंत्रित संचालन इसी आधुनिक प्रणाली के माध्यम से किया जाता है, जिससे निचले क्षेत्रों में जलभराव और संभावित खतरे को कम किया जा सके।

यह परियोजना मार्च 2018 तक पूर्ण कर ली गई थी। निर्धारित समय में परियोजना का कार्य पूरा होना विभागीय दक्षता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद महोबा के साथ-साथ हमीरपुर एवं बांदा जनपद के अनेक गांवों को भी प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। इस परियोजना से अर्जुन फीडर नहर उद्गमित होती है, जिसके माध्यम से अर्जुन बांध, चंद्रावल बांध एवं कबरई बांधों को भी जल उपलब्ध कराया जाता है। इस प्रकार लहचूरा बांध पूरे क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है।

बुंदेलखंड जैसे अर्धशुष्क क्षेत्र में जल संरक्षण और सिंचाई की उपलब्धता किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाती है। पहले जहां किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर थे, वहीं अब सिंचाई सुविधा मिलने से बहुफसली खेती को बढ़ावा मिला है। गेहूं, चना, सरसों, तिलहन एवं दलहन जैसी फसलों का उत्पादन बढ़ा है। किसानों की आय में वृद्धि हुई है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। परियोजना ने कृषि के साथ-साथ पशुपालन एवं ग्रामीण रोजगार को भी बढ़ावा दिया है।

लहचूरा बांध परियोजना का महत्व केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है। यह परियोजना जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, पशु-पक्षियों, वन्य जीवों के संरक्षण तथा क्षेत्रीय विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। बांध में जल उपलब्ध रहने से भूजल स्तर में सुधार हुआ है। आसपास के क्षेत्रों में हरित क्षेत्र बढ़ा है तथा जल संकट की समस्या में कमी आई है। परियोजना के अंतर्गत विकसित पार्क एवं लेण्ड स्केपिंग ने इसे स्थानीय पर्यटन एवं आकर्षण का केंद्र भी बना दिया है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र विकास हेतु अर्जुन सहायक परियोजना जैसे बड़े कार्यक्रमों से भी इस बांध को जोड़ा गया है। यह परियोजना भविष्य में लाखों किसानों और ग्रामीणों को सिंचाई एवं पेयजल सुविधा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज लहचूरा बांध परियोजना बुंदेलखंड में जल प्रबंधन और सिंचाई विकास का सफल मॉडल बन चुकी है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया यह कार्य निश्चित रूप से किसानों के जीवन में खुशहाली लाने वाला एवं प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित हुआ है।

रातभर सबूत मिटाए, शवों को रजाई ओढ़ाई, बेटे ने बाप के सिर की 10 हड्डियां तोड़ी थीं

4 लाश के साथ 12 घंटे रहा हत्यारोपी दोस्त

00

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में करोड़पति कारोबारी परिवार के 4 लोगों की हत्या में शामिल सनी गुप्ता 12 घंटे लाशों के साथ रहा। रातभर उसने हर निशान मिटाने की कोशिश की। फर्श पर फैला खून साफ किया। शवों के चेहरों पर टॉयलेट क्लीनर डाला। फिर लाशों को रजाई-गद्दे ओढ़ा दिए, जिससे बदबू बाहर न आए। हत्याकांड के बाद वह घर जाकर आराम से सो गया। पुलिस ने 150 CCTV कैमरों की फुटेज देखीं और सनी को पकड़ लिया। बुधवार देर शाम कारोबारी परिवार की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। बहन के सिर की एक हड्डी टूटी मिली,

इसी सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस अभिषेक के दोस्त सनी गुप्ता को पकड़ सकी है।

जबकि पिता और मां के सिर की करीब 10-10 हड्डियां टूटी थीं। बेटे को मां-बाप से इतनी नफरत थी कि जब तक उनकी मौत नहीं हो गई, तब तक वार करता रहा। कहानी की शुरुआत 31 मई की देर शाम को हुई थी। कारोबारी का बेटा अभिषेक और सनी ने साथ बैठकर बीयर पी। पहले बहन को मारा, फिर मां-बाप की हत्या कर दी।

वारदात के बाद घर जाकर सो गया था आरोपी सनी

वारदात को अंजाम देने के बाद सनी 1 जून की सुबह 5 बजे कारोबारी के घर से निकला। सुबह 6:30 बजे अपने घर पहुंचा। घरवालों ने उससे पूछा कि रात भर कहां था। इस पर उसने जवाब दिया कि वह शादी में कचौड़ी बनाने गया था। इसके बाद वह अपने कमरे में जाकर सो गया। 31 मई को देर रात तक घर न पहुंचने से सनी के घरवाले परेशान थे। उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था।

देर रात सनी के भाई मनोज ने साउथ मलाका चौकी पुलिस को सूचना दी थी कि मेरा भाई नहीं मिल रहा है। उसका नंबर भी बंद है। लेकिन, पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया था। एक अन्य फुटेज में 31 मई की दोपहर करीब 3 बजे सनी कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य के घर के पास दिखाई दिया। इसमें वह कारोबारी के बेटे अभिषेक के साथ घर के अंदर जाता नजर आया। वहीं, 1 जून को सनी कारोबारी के घर से निकलकर अपने मुट्ठीगंज स्थित घर में दाखिल होता भी कैमरे में कैद हुआ।

पुलिस कमिश्नर ने 2 दरोगा निलंबित किए

मामले की जांच में पुलिस की शुरुआती लापरवाही भी सामने आई है। 31 मई की रात सनी के भाई ने पुलिस को सूचना दी थी। अगर पुलिस अलर्ट हो जाती, तो शायद चार हत्याएं नहीं होतीं। लापरवाही मिलने पर पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार ने साउथ मलाका चौकी प्रभारी रोहित कुमार गौड़ और कोतवाली थाने में तैनात वरिष्ठ उप निरीक्षक मुलायम यादव को सस्पेंड कर दिया।

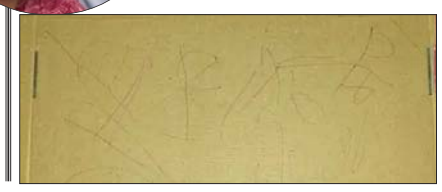

बेटे की पिता से खटपट रहती थी

पुलिस जांच में पता चला है कि बड़े बेटे अभिषेक की भी पिता से नहीं जमती थी। पड़ोसियों और रिश्तेदारों के अनुसार, अभिषेक की संगत को लेकर परिवार में अक्सर झगड़ा होता रहता था। एक बार अभिषेक ने किसी व्यक्ति से कई लाख रुपए उधार ले लिए थे। समय पर रकम न लौटाने पर कर्ज देने वाले अभिषेक की पिटाई कर उसे उठा ले गए थे। धमकी दी थी कि पैसे नहीं मिले तो पूरे परिवार को खत्म कर दिया जाएगा। बाद में बहन मीनाक्षी ने पैसे देकर अभिषेक को छुड़ाया था।

पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करने के लिए साउथ मलाका से मुट्ठीगंज स्थित महावीरन गली तक एक-एक कैमरे की रिकॉर्डिंग देखी।

एक फुटेज में 1 जून की सुबह करीब 5 बजे सनी कारोबारी के घर से निकलता दिखाई दिया।

इसके बाद पुलिस ने और फुटेज खंगाले। करीब 2 किमी के दायरे में 150 कैमरों की जांच की गई।

फास्ट न्यूज

बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरदोई। हरदोई में गुरुवार को आक्रामकता एवं हिंसा के शिकार मासूम बच्चों के अंतर-राष्ट्रीय दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम समाधान अभियान की रचुप्पी तोड़; हल्ला बोलर परियोजना के तहत इंडिया पेस्टिसाइड लिमिटेड के सहयोग से बाल मित्र केंद्र, थाना देहात कोतवाली से संप्रेक्षण ग्रह हरदोई के बच्चों के लिए था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को बाल यौन शोषण से बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी देना था।

अयोध्या में पार्क में बैठे कपल को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

अयोध्या। अयोध्या में पार्क में बैठे एक कपल को संत वेशधारी युवकों ने दौड़ा-दौड़ा-कर पीटा। लात-घूसे मारे और गालियां दीं। युवक को पिटता देख युवती बचाने के लिए उससे लिपट गई। काफी मशक्कत के बाद दोनों ने अपनी जान बचाई। इस पूरी घटना का गुरुवार को एक वीडियो सामने आया है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वीडियो में 4 संत वेशधारी युवक कपल को फिल्मी स्टाइल में दौड़ा-दौड़ा-कर पीटते नजर आ रहे हैं।

राजस्व अभिलेखागार की अव्यवस्था पर अधिवक्ता भड़के

संतकबीर नगर। संत कबीर नगर में कलेक्ट्रेट स्थित राजस्व अभिलेखागार (रिकॉर्ड रूम) में अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर अधिवक्ताओं में गहरा आक्रोश है। सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ईश्वर पाठक और महामंत्री निरंजन सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी आलोक कुमार से मुलाकात कर सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन चुनाव की नामांकन प्रक्रिया पूरी

11 और 15 जून को होगा मतदान, 16 को आएंगे नतीजे

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। बुलंदशहर के डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए गुरुवार को नामांकन प्रक्रिया संपन्न हो गई। विभिन्न पदों के लिए दावेदारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस दौरान बार भवन परिसर में पूरे दिन चुनावी गतिविधियां तेज रहीं और समर्थकों की आवाजाही बनी रही। अध्यक्ष पद के लिए पूर्व अध्यक्ष यतेंद्र पाल सिंह तोमर, रविन्द्र शर्मा और बीरेंद्र कुमार शर्मा ने नामांकन किया है। वहीं, सचिव पद के लिए राजा शील कुमार, धर्मेन्द्र खालोर और शैलेन्द्र लोधी ने अपने पर्चे भरे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार, शुक्रवार को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। जांच के बाद वैध प्रत्याशियों की सूची जारी होगी, जिससे चुनावी तस्वीर और स्पष्ट हो जाएगी। इसके बाद उम्मीदवार अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए प्रचार

अभियान को और तेज करेंगे। बार एसोसिएशन का चुनाव दो चरणों में संपन्न कराया जाएगा। पहले चरण का मतदान 11 जून को होगा, जबकि दूसरे चरण का मतदान 15 जून को निर्धारित है।

मतगणना के बाद 16 जून को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही सभी दावेदार चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। प्रत्याशी अधिवक्ताओं से संपर्क कर समर्थन जुटा रहे हैं और अपने-अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। बार परिसर में चुनावी चर्चाएं तेज हो गई हैं और अधिवक्ताओं के बीच विभिन्न पदों को लेकर समीकरण बनने शुरू हो गए हैं।

खिड़की तोड़कर घर में घुसा, सोते समय मां के पास से उठा ले गया

7 साल की बच्ची से श्मशान में रेप

- मां ने बताया कि बेटी बेसुध अवस्था में श्मशान में पड़ी मिली।
- पिता ने बताया कि बेटी के साथ हुए गलत काम की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में 7 साल की बच्ची के साथ युवक ने श्मशान में रेप किया। हालत बिगड़ने पर बच्ची को वहीं छोड़कर फरार हो गया। बच्ची मां के साथ सो रही थी। आरोपी खिड़की तोड़कर घर के अंदर घुसा।

बच्ची का मुंह दबाने के बाद उसे लेकर भाग गया। घरवाले उसे खोजते हुए श्मशान पहुंचे तो बच्ची लहूलुहान हालत में मिली। उसने बताया कि गांव के ही रहने वाले युवक ने उसके साथ गलत काम किया। घरवालों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

घटना थाना कोसी क्षेत्र की बुधवार रात की है। यहां बच्ची के साथ रेप किया। पीड़िता ने शोर मचाया तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया। इससे बच्ची की हालत बेसुध हो गई।

बच्ची का मुंह दबाकर मेन गेट से भागा

थाना कोसी क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ड्राइवर है। वह किराए पर टैक्सी चलाता है। बुधवार रात उसकी बेटी (7 साल) अपनी मां के साथ चारपाई पर सो रही थी। दूसरे कमरे में उसके पिता और अन्य भाई बहन सो रहे थे। आधी रात को आरोपी राहुल खिड़की तोड़कर घर के अंदर घुस आया। इसके बाद उसने घर का मेन गेट खोला। फिर मां के पास सो रही बच्ची को गोद में उठा लिया। वह शोर न मचा पाए, इसलिए उसका मुंह दबा दिया। आरोपी बच्ची को घर से करीब 500 मीटर दूर श्मशान स्थल पर ले गया। यहां बच्ची के साथ रेप किया। पीड़िता ने शोर मचाया तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया। इससे बच्ची की हालत बेसुध हो गई।

बच्ची मां के पास सो रही थी, तभी आरोपी उसे उठा ले गया।

सुबह 4 बजे मां की नींद खुली, बेटी गायब थी

बच्ची की हालत बिगड़ने पर आरोपी उसे छोड़कर भाग गया। इससे पहले गुरुवार सुबह करीब 4 बजे बच्ची की मां की नींद खुली। उन्होंने देखा तो बेटी गायब थी।

उसने पूरा घर खोज डाला। लेकिन बेटी कहीं नहीं मिली। मां ने इसकी जानकारी पिता और बाकी परिवार वालों को दी। परिवार के लोग बेटी को खोजते हुए गांव के बाहर खेतों की ओर गए। करीब एक घंटे बाद वह लोग खोजते-खोजते गांव के श्मशान पहुंचे। यहां पर बच्ची लहूलुहान हालत में पड़ी मिली।

उसने मां को बताया कि गांव का ही रहने वाला राहुल उसे उठाकर ले गया था।

बच्ची ने बताया कि राहुल ने उसके साथ गंदा काम किया। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी। बच्ची के घरवाले उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर उसे मेडिकल के लिए भेज दिया। सीओ छाता भूषण वर्मा ने बताया पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा गया है। पुलिस ने 30 साल के आरोपी राहुल को पकड़ लिया है।

दरोगा का खिड़की से लटका मिला शव

घुटने के बल बैठी पोजिशन में था, एसपी बोलीं- सुसाइड की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। बदायूं में दरोगा का शव कमरे में दरवाजे के ऊपर बनी खिड़की से फंदे के सहारे लटका मिला। शव घुटने के बल बैठी पोजिशन में था। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। हालांकि, एसपी अंकिता शर्मा ने सुसाइड की आशंका जताई है। एसपी ने बताया- दरोगा मेघश्याम गौतम (55) कोर्ट सुरक्षा में तैनात थे। वो मूलरूप से मथुरा के गोविंद-नगर थाना के सकना गांव के रहने वाले थे। मोबाइल फोन जब्त करके कॉल डिटेल निकलवाई जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की है। परिजनों से पूछताछ और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के मधुबन कॉलोनी की है। मैंने यह बात फोन पर पत्नी को बताई। पत्नी ने दरोगा के कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई

जवाब नहीं मिला। इसके बाद मैं गांव से घर आया और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर मेघश्याम का शव फंदे से लटका हुआ मिला। विकेश ने बताया- मेघश्याम के कमरे का एक गेट छत की ओर बाहर की तरफ खुलता है। पर दोनों गेट अंदर से बंद थे। जिस दरवाजे के रोशनदान से शव लटका मिला, वह भी अंदर से बंद था। सहकर्मियों ने बताया- मेघश्याम बुधवार शाम को ड्यूटी से 6 बजे अपने घर चले गए थे। उनका व्यवहार सामान्य ही था। किसी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया था। सब से हंसी-मजाक से पेश आते थे। वे 1986 में सिपाही पद पर पुलिस सेवा में भर्ती हुए थे। इसके बाद दरोगा पद पर प्रमोट हो गए। 2024 में बरेली से ट्रांसफर होकर बदायूं आए थे।

मकान मालिक विकेश ने बताया कि उनका दो मंजिला मकान है। दरोगा मेघश्याम गौतम पिछले एक साल से फर्स्ट फ्लोर पर लगभग 12 फिट चौड़ा और 15 फिट लम्बे कमरे में रह रहे थे। उसी फ्लोर पर दो अन्य परिवार भी रहते हैं। घटना के समय मैं गांव गया हुआ था। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे मेघश्याम की बेटी का फोन आया।

- पुलिस ने मकान मालिक विकेश और उनके परिवार से पूछताछ की।
- कमरे में दरवाजे की वेंटिलेशन खिड़की की ग्रिल से दरोगा का शव लटकता मिला।

"एसपी अंकिता शर्मा ने बताया- सुबह 9:45 बजे सूचना मिली कि दरोगा मेघश्याम ने सुसाइड कर लिया है। टीम उनके घर पहुंची तो उनका शव कमरे में साढ़े छह फीट के दरवाजे के ठीक ऊपर बनी खिड़की (रोशनदान) की ग्रिल से गमछे के फंदे के सहारे लटका मिला। प्रथम दृष्टया मामला सुसाइड का लग रहा है। हालांकि, कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

संभल दंगे : मारे गए शख्स के परिवार को जमीन दी

1978 में हत्या करके कुएं में लाश फेंक दी थी, मंत्री बोले- संभल आज आजाद हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल के 1978 के दंगा पीड़ित परिवारों को खाली कराई गई कब्रिस्तान की 3 बीघा जमीन पर बसाया जा रहा है। गुरुवार को दंगा पीड़ित रामशरण रस्तोगी के परिवार को 100 वर्ग मीटर जमीन का पट्टा दिया गया। मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा संभल में 48 साल पहले जिनके आशियाने जलाए गए, आज उनके आंसू पोंछने आया हूं। न जाने कितनी पीढ़ियां इंतजार करते-करते गुजर गईं। भारत 1947 में आजाद हुआ था। लेकिन सही मायने में संभल आज के दिन आज़ाद हुआ है। मुरादाबाद मंडल कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि दंगा पीड़ितों को बसाने की प्रक्रिया आज से शुरू हुई है। जितने भी लोग पलायन कर

- दंगा पीड़ित रामशरण रस्तोगी के बेटे कपिल के साथ प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने मकान के निर्माण की नींव रखी।

गए थे, उन सभी से हम रिक्वेस्ट कर रहे हैं कि वो अपने प्रमाणों के साथ जिला प्रशासन से संपर्क करें। हम सभी को जमीन देंगे। इसके पहले प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने रामशरण रस्तोगी की बहू रुक्मिनी को पट्टे की जमीन का प्रमाण-पत्र दिया। मंत्री ने रुक्मिनी और उनके बेटे कपिल के साथ जमीन का भूमि-पूजन भी किया।कब्रिस्तान से खाली कराई गई जमीन कोतवाली क्षेत्र के शेर खां सराय गांव में टीले वाली मस्जिद के पास है। 7 अप्रैल को मथुरा में सीएम योगी ने कहा था कि संभल में 1978 में हुए दंगों में सैकड़ों हिंदुओं को मारा गया। डर के मारे लोग दिल्ली समेत अन्य शहरों में पलायन कर गए। पीड़ित परिवार अपनी जमीन के कागज लेकर आएं तो उन्हें उनकी जमीन वापस दिलाई जाएगी। उनको उनकी जमीन पर कब्जा दिलवाऊंगा। मुख्यमंत्री ने बनवारी लाल गोयल के परिवार का उदाहरण दिया था।

धरना : टेंट लगाकर बैठे, प्रशासन के खिलाफ कर रहे नारेबाजी, मांगों पर अड़े

नोएडा प्राधिकरण गेट पर धरने पर बैठे किसान

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में किसान आज (गुरुवार) अपनी लंबित मांगों को लेकर प्राधिकरण के गेट पर धरने पर बैठे थे। भारतीय किसान परिषद के बैनर तले सेक्टर-6 स्थित हरौला बारात घर में किसान जुटे थे। यहां से वे पैदल मार्च करते हुए नोएडा प्राधिकरण पहुंचें थे। प्राधिकरण के गेट के बाहर किसानों ने टेंट लगाया। दरी बिछाकर धरने पर बैठे और नारेबाजी कर रहे थे। प्राधिकरण के आश्वसन के बाद किसानों ने आंदोलन समाप्त कर दिया है। किसानों के विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही नोएडा OSD इंदु प्रकाश सिंह और क्रांति शेखर जी मौके पर पहुंच गए हैं। वें लोग किसानों से बात करके धरना प्रदर्शन खत्म करने के लिए कह रहे हैं। लेकिन अपनी मांगों को लेकर

किसानों की प्रमुख मांगें

- 10 प्रतिशत विकसित भूखंड आवंटित किए जाएं, ताकि अधिग्रहित भूमि के बदले किसानों को उचित लाभ मिल सके।
- 5 प्रतिशत अतिरिक्त विकसित भूखंड और उसके समतुल्य मुआवजा दिया जाए।
- हाई पावर कमेटी की सिफारिशों को तत्काल लागू किया जाए।
- गांवों की आबादी को यथावत रखा जाए।

अड़े हैं। उनका कहना है कि जब तक मेरी मांग नहीं पूरी होती तब तक हम कहीं नहीं जाएंगे। धरने पर बैठी एक बुजुर्ग महिला ने संवाददाता से बात करते हुए कहा- प्रशासन या संबंधित विभाग द्वारा उनकी करीब 14 बीघे जमीन ले ली गई है, लेकिन इसके बदले उन्हें अब तक कोई मुआवजा या पैसा नहीं दिया गया है। जमीन अधिग्रहण के समय उन्हें नौकरी देने, बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने और 5% अतिरिक्त लाभ देने जैसे कई बड़े-बड़े आश्वासन दिए गए थे, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि उन्हें इनमें से कुछ भी नहीं मिला और प्रशासन अब तनख्वाह तक देने से मुकर रहा है। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने कहा- अब तक हमारी किसी भी मांग पर कोई काम नहीं हुआ, सिर्फ आश्वासन दिए गए हैं। हाई पावर कमेटी बने हुए दो साल हो गए, लेकिन आज तक कोई जवाब नहीं आया। अधिकारी कमरों में बैठकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। जो इन्हें चढ़ावा देता है, ये उसी का काम करते हैं।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने चौराहे पर बिताई रात

बोले- कन्नौज में जिसके यहां रुकना था, उसे प्रशासन ने धमकाया, इसलिए जमीन पर सोए

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को कन्नौज में चौराहे पर रात बितानी पड़ी। शंकराचार्य ने कहा, "प्रशासन हमें परेशान कर रहा है। जिस स्कूल में हमें रात में रुकना था। परमिशन न होने का हवाला देते हुए प्रशासन ने वहां ठहरने से मना कर दिया गया, इसलिए हमने सरकारी जमीन पर रुकने का फैसला किया। यहीं पर रात बिताएंगे। हम गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने के लिए निकले हैं। 150 विधानस-भाओं में हम होकर आ चुके हैं। हम अपनी यात्रा पूरी करके रहेंगे।" शंकराचार्य बुधवार शाम 7 बजे कन्नौज पहुंचे। फिर वह शिष्यों के साथ चौराहे पर ही बैठ गए। वहीं, खाली जमीन में टेंट लगाया गया। करीब 2 घंटे तक शंकराचार्य वहीं बैठे। फिर शिष्य उन्हें वैनिटी वैन में

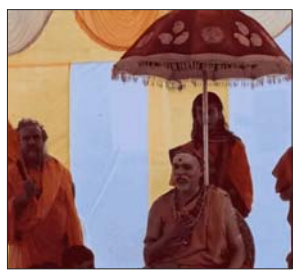

ले गए। गुरुवार सुबह वह फर्रुखाबाद के लिए निकल गए। शंकराचार्य बुधवार को औरैया के बिधुना होते हुए शाम साढ़े 6 बजे कन्नौज की तिर्वा विधानसभा पहुंचे।

"शंकराचार्य के लगाए गए आरोपों को कन्नौज डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- संतों का सम्मान करना प्रशासन का पहला प्रयास है। शंकराचार्य को किसी ने नहीं रोका। उनकी सुरक्षा में फोर्स को भी तैनात किया गया। शंकराचार्य 81 दिनों की गविष्टि (गो-रक्षार्थ-धर्मयुद्ध) यात्रा पर हैं। उन्होंने काशी से 3 मई को यात्रा की शुरुआत की थी। ये यात्रा यूपी की 402 यानी सभी विधानसभाओं से होकर गुजरेगी। यात्रा में करीब 25 अनुयायी उनके साथ चल रहे हैं।

बृजभूषण सिंह की बेटी सूर्या की मां से मिलीं

कहा- योगीजी अपराधियों का मनोबल तोड़ दीजिए, अवैध मदरसे ढहाए जाएं

बातचीत

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह की बेटी शालिनी गुरुवार दोपहर गाजियाबाद में सूर्या चौहान के घर पहुंचीं। मां और भाई से मिलीं। घर के बाहर जमीन पर बैठकर उन्होंने बातचीत की और ढांढस बंधाया। साथ ही सूर्या को पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा- हमने सूर्या के बड़े भाई को नौकरी का ऑफर दिया है। सूर्या हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। योगीजी, अपराधियों का मनोबल तोड़ दीजिए। जिस खोड़ा इलाके में बकरीद के दिन सूर्या की हत्या हुई थी, वहां 7 दिन से तनावपूर्ण स्थिति है। हिंदू संगठनों के लोग लगातार सूर्या के घर पहुंच रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस फोर्स तैनात है। हालांकि, अब 10 से 15 फीसदी दुकानें खुलने लगी हैं। मुख्य आरोपी असद एनकाउंटर में मारा जा चुका है। असद के पिता समेत 5 आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। सूर्या की मां को गाजियाबाद के डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने नगर पालिका, खोड़ा में संविदा पर नौकरी दी है। सरकार की तरफ से 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी दी गई है।

66 शालिनी सिंह ने कहा- सरकार को अवैध मदरसे तुरंत गिराने चाहिए। इतने बड़े-बड़े अवैध मदरसे कैसे बन रहे हैं, कागज तो दिखाने ही चाहिए। जिन मदरसों में बच्चों को गलत शिक्षा दी जा रही, उन्हें भी ढहाया जाए। ये इंसान को इंसान नहीं रहने दे रहे। जो लोग इतना जघन्य अपराध करके वीडियो बना रहे, ऐसी मानसिकता कहां से उपज रही है? इन्हें कौन शिक्षा दे रहा है?

शालिनी के सास-ससुर बिहार के पूर्व सांसद

पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह की बेटी शालिनी सिंह की शादी बिहार के आरा से पूर्व सांसद स्व. अजीत सिंह और पूर्व सांसद मीना सिंह के इकलौते बेटे विशाल सिंह से हुई है। विशाल सिंह वर्तमान में नोएडा में रहते हैं। वह भी भाजपा नेता हैं।

वह बिहार स्टेट कोऑपरेटिव मार्केटिंग यूनियन (बिस्कोमान) के अध्यक्ष भी हैं।

शालिनी-विशाल का 13 साल का बेटा अथर्व है। लॉ की डिग्री हासिल करने वाली शालिनी कई स्कूल-कॉलेज चलाती हैं।

शालिनी सिंह को है कविता पढ़ने का शौक

पिछले साल 25 अक्टूबर को शालिनी सिंह ने पहली बार सार्वजनिक मंच से शायरी पढ़ी थी। नोएडा के कवि सम्मेलन में मंच पर कहा था- मैं पहलवान की बेटी हूं। आपने मुझे पहली बार मंच दिया है। पहले मुझे कोई मंच नहीं देता था। मैं बिल्कुल नई कवि हूं, यह मेरा पहला कवि-सम्मेलन है। शालिनी सिंह ने मजाक-मजाक में दोनों भाइयों करण और प्रतीक भूषण को बाहुबली टाइप बताया। फिर कई शायरियां पढ़ीं।

शालिनी सिंह ने जमीन पर बैठकर सूर्या के बड़े भाई और मां से बातचीत की और उन्हें ढांढस बंधाया।

शालिनी को निशानेबाजी का भी शौक है। भाई कैसरगंज से भाजपा सांसद करण भूषण सिंह से निशानेबाजी के गुर सीखते हुए।

आगरा के चार एसीपी के ट्रांसफर हुए

मयंक तिवारी, गौतमबुद्ध नगर तो सुकन्या बागपत गईं

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। शासन ने बड़ी संख्या में पीपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इसमें आगरा के भी कई अधिकारियों के तबादले हुए हैं। एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी को गौतमबुद्ध नगर भेजा गया है।

● **इनके हुए ट्रांसफर**

दीपक कुमार सिंह को शाहजहांपुर पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है।

एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी, एसीपी गौतमबुद्ध नगर।

डा. सुकन्या शर्मा को बागपत भेजा गया है।

एसीपी छत्ता शेष मणि उपाध्याय को स्टाफ ऑफिसर एडीजी वाराणसी जोन बनाया गया है।

● **इनको मिला आगरा में चार्ज**

यतेंद्र सिंह नागर को मुजफ्फरनगर से एसीपी आगरा ट्रांसफर हुआ।

डॉ. अतुल अंजान त्रिपाणी को वाराणसी से आगरा भेजा गया है।

पुलिस उपाधीक्षक बुलंदशहर पूर्णिमा सिंह को सहायक सेनानायक पीएसी आगरा।

पुलिस उपाधीक्षक मथुरा श्वेता वर्मा को एसीपी आगरा।

पुलिस उपाधीक्षक एलआईयू अध्योध्या को मंडलाधिकारी आगरा बनाया गया है।

पीलीभीत से राजीव रंजन को आगरा पुलिस कमिश्नरेट में एसीपी बनाया गया है।

फास्ट न्यूज

भाजपा बेनीगंज मण्डल कार्यसमिति की बैठक संपन्न

हरदोई। हरदोई में भारतीय जनता पार्टी के बेनीगंज मण्डल कार्यसमिति की एक महत्वपूर्ण बैठक सिकलिन टोला स्थित ब्रम्हदेव स्थान पर संपन्न हुई। गुरुवार को आयोजित बैठक प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मण्डल प्रभारी आशुतोष शुक्ला ने की।

पत्नी और नगर पालिका ईओ पर उत्पीड़न का आरोप

हरदोई। हरदोई के पाली थाना क्षेत्र निवासी देवेंद्र मिश्रा ने अपनी पत्नी और शाहाबाद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपनी सुरक्षा की मांग करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। देवेंद्र मिश्रा का कहना है उन्होंने आरोप लगाया कि पत्नी के शाहाबाद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर से करीबी संबंध हैं, जिसके चलते उनके वैवाहिक संबंध प्रभावित हुए हैं।

सऊदी अरब में युवक लापता, मां ने लगाई मददकी गुहार

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के फतेहपुर कस्बे का एक युवक सऊदी अरब में कथित तौर पर लापता हो गया है। युवक की मां ने अपने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए बाराबंकी के सांसद तनुज पुनिया से मदद की गुहार लगाई है। फतेहपुर कस्बे के मोहल्ला नालापार दक्षिणी-1 निवासी इमामुद्दीन उर्फ इमाम लगभग तीन साल पहले ड्राइवर के वर्क वीजा पर सऊदी अरब के मदीना क्षेत्र में काम करने गया था।

वीडियो रैंप के पास टूटकर बिखरा, आसपास मौजूद थे पर्यटक, बड़ा हादसा टला

ताजमहल के रॉयल गेट से गिरा पच्चीकारी का पत्थर

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। विश्व धरोहर ताजमहल में बुधवार को एक बड़ा हादसा टल गया। स्मारक के मुख्य रॉयल गेट से पच्चीकारी में जड़ा एक सजावटी पत्थर अचानक निकलकर नीचे गिर गया। पत्थर वीडियो प्लेटफॉर्म के लिए बनाई गई रैंप के पास आकर गिरा और कई टुकड़ों में टूट गया। घटना के समय आसपास पर्यटक मौजूद थे, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पत्थर गिरने की आवाज सुनते ही वहां मौजूद पर्यटक और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्मारक कर्मी मौके पर पहुंचे और क्षेत्र को सुरक्षित कर दिया। घटना के बाद ताजमहल की संरक्षा और नियमित रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

66 *जानकारी के मुताबिक, रॉयल गेट पर रेड सैंड स्टोन के बीच संगमरमर का एक सजावटी पत्थर पच्चीकारी में लगा हुआ था। यह अचानक अपनी जगह से निकलकर नीचे आ गिरा। पत्थर गिरने के बाद उसके कई टुकड़े हो गए। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय से पत्थर को थामे हुए पुराना मसाला कमजोर पड़ गया होगा। इसके अलावा मौसम और समय के प्रभाव से पत्थर की पकड़ भी ढीली हो सकती है, जिसके कारण यह घटना हुई।*

पर्यटकों का कहना है कि विश्व धरोहर स्मारक में इस तरह का पत्थर गिरना चिंता का विषय है। यदि यह पत्थर किसी पर्यटक पर गिरता तो गंभीर हादसा हो सकता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। क्षतिग्रस्त हिस्से का निरीक्षण किया जा रहा है। एएसआई अधिकारियों का कहना है कि संरक्षण मानकों के तहत जल्द ही आवश्यक मरम्मत और संरक्षण कार्य कराया जाएगा।

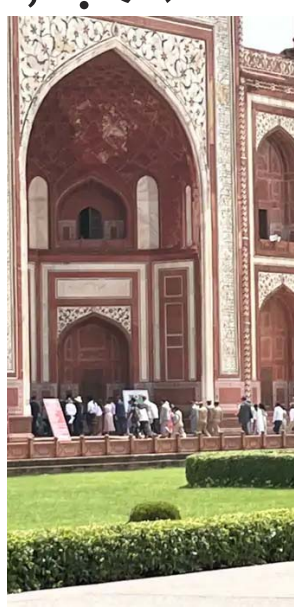

भूमि अधिग्रहण मुआवजे को दोगुना करने की मांग

फर्रुखाबाद में सपा ने गंगा एक्सप्रेस-वे लिंक के लिए ज्ञापन दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में गंगा एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के जिलाध्यक्ष चंद्रपाल यादव और प्रदेश सचिव जितेंद्र सिंह यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट को राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें अधिग्रहित की जा रही भूमि का मुआवजा सर्किल रेट से दोगुना करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि गंगा एक्सप्रेसवे से फर्रुखाबाद को जोड़ने वाले लिंक एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है। सपा नेताओं ने तर्क दिया कि क्षेत्र का वर्तमान सर्किल रेट बाजार मूल्य की तुलना में काफी कम है। उन्होंने कहा कि भूमि किसानों की आजीविका का मुख्य साधन है, और कम सर्किल रेट पर अधिग्रहण से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा, जिससे उनके भरण-पोषण और पुनर्वास का संकट उत्पन्न हो सकता है। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित मुआवजे की मांग के साथ, ज्ञापन में जनगणना के डिजिटल डेटा प्रविष्टि फॉर्म में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए भी जाति विकल्प कॉलम जोड़ने की मांग की गई। सपा नेताओं ने कहा कि वर्तमान जनगणना में अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) का स्पष्ट विकल्प दिया गया है, जो स्वागत योग्य है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों की गणना निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ किए जाने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त, ज्ञापन में पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त की गई।

होटल कारोबारी का हत्यारोपी एनकाउंटर में ढेर

37 दिन पहले हुई थी शादी, भाई बोला- पुलिस से हत्या कराई, कोर्ट जाऊंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर में होटल कारोबारी के बेटे की हत्या के आरोपी कमलेश चौधरी बिंद को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया। कमलेश पर एक लाख का इनाम था। कमलेश की शादी 37 दिन पहले हुई थी। उसके भाई ने कहा कि होटल कारोबारी ने पुलिस से मेरे भाई की हत्या कराई है। कोर्ट जाऊंगा। इधर, मुठभेड़ पर होटल व्यवसायी आलोक राय ने कहा कि सिर्फ कमलेश के एनकाउंटर से कुछ नहीं होगा, पूरे कटरा गैंग का सफाया होना चाहिए। उन्होंने संवाददाता से कहा कि सारे अपराधियों के घर पर बुलडोजर चलना चाहिए। तभी व्यापारी शांति से अपना कारोबार कर पाएगा। अगर कटरा गैंग का सफराया नहीं होता है, तो वो परिवार के साथ सीएम आवास के सामने रहेंगे। वहीं पर तेरहवीं करेंगे। 29 मई की रात कमलेश बिंद ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर आलोक राय के बेटे विनीत राय की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमला उस वक्त हुआ था, जब विनीत होटल से घर के लिए निकल रहे थे। वारदात के बाद होटल कारोबारी ने कहा था- एक करोड़ टैक्स देता हूं, फिर भी परिवार सुरक्षित नहीं है। इस हत्या की प्लानिंग वॉट्सएप ग्रुप 'कटरा गैंग' पर हुई थी। एक करोड़ की रंगदारी न देने पर विनीत की हत्या की गई थी। हत्या में शामिल शंकर पांडेय, सोनू यादव और मोनू त्रिपाठी फरार हैं। शंकर पांडेय मुख्य आरोपी है। वह कटरा गैंग चलाता है।

प्रयागराज में खाना खाकर घर लौटते समय कार पेड़ से टकराई, 3 दोस्त घायल

सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव की हादसे में मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में सड़क हादसे में समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव की मौत हो गई। बुधवार देर रात करीब 1 बजे सिविल लाइंस क्षेत्र में घर लौटते समय उनकी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना भयावह था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पिचक गया। दुर्घटना में कार में सवार तीन अन्य लोग भी घायल हो गए। लोहिया वाहिनी के सचिव रत्नेश यादव राजनीति के साथ बिजनेस भी करते थे। हंडिया क्षेत्र के दमदम गांव के रहने वाले लोहिया वाहिनी नेता रत्नेश यादव प्रिंटिंग बिजनेस से जुड़े थे। उनका शहर में ही प्रिंटिंग प्रेस था। बुधवार रात को काम खत्म करने के बाद रत्नेश कार से अपने तीन दोस्त हिमांशु त्रपाठी, सूर्या यादव, संदीप कुमार के साथ थ सिविल लाइन जा रहे थे। गाड़ी हिमांशु चला रहा था। रत्नेश पीछे वाली सीट बैठे हुए थे।

तस्वीर में सपा नेता रत्नेश अखिलेश यादव के साथ हैं।

भाई बोले- कुछ लोगों ने फोन कर भइया को बुलाया था

पुलिस के अनुसार, रत्नेश यादव के सिर और सीने में गंभीर चोटें आईं। इससे उनकी मौत हो गई। गाड़ी का एयरबैग भी हादसे के वक्त नहीं खुला था। वहीं उनके छोटे भाई मिथलेश ने बताया कि बुधवार शाम 7:00 बजे भइया के पास किसी का फोन आया था।

66 हिमांशु ने बताया कि वह लोग डोसा खाकर आगे बढ़े ही थे कि तभी अचानक कार के सामने कुत्ता आ गया। रात करीब एक बजे दोसा प्लाजा चौराहे के पास कार अचानक से अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। हिमांशु त्रपाठी, सूर्या यादव, संदीप कुमार को हल्की फुल्की चोटें आई हैं। आग के दोनों एयर बैग खुल गए थे।

सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव थे रत्नेश

रत्नेश 2021 से सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव के पद पर तैनात थे। प्रयागराज के नेता नगर कीडगंज में ग्लोबल ग्राफिक्स के नाम से बड़ा प्रिंटिंग प्रेस है। इसमें फ्लेक्स होर्डिंग बैनर आदि बनाने का काम होता है। फोन करने वाले ने कहा था कि रात में 11:00 बजे हम आपसे मुलाकात करेंगे। यह बात भइया ने हम लोगों को बताई थी। रात 11 बजे भइया ने रेस्टोरेंट दोसा प्लाजा वाले के पास फोन किया था। उससे कहा कि हम चार लोग हैं, सभी के लिए एक-एक प्लेट डोसा लगवा दो।

66 टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़े पहुंचे। एंबुलेंस और पुलिस को कॉल किया। चारों को स्थानीय अस्पताल लाया गया। डॉक्टर ने रत्नेश यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन अन्य दोस्तों को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

कुछ पद सिर्फ कम...

अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह प्राप्त की गई नौकरी कानून की नजर में वैध नहीं मानी जा सकती। साथ ही, शीर्ष अदालत ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े दो अन्य महत्वपूर्ण मामलों—CBSE के थ्री-लैंग्वेज रूल और शिक्षकों के लिए टीईटी (TET) अनिवार्यता—पर भी अहम टिप्पणियां की हैं। इन फैसलों का प्रभाव लाखों छात्रों, शिक्षकों और नौकरी अभ्यर्थियों पर पड़ने वाला है। अदालत ने कहा कि ऐसी स्थिति में नौकरी पाने वाला व्यक्ति वास्तव में उस उम्मीदवार का अवसर छीन लेता है जो निर्धारित पात्रता के आधार पर उस पद का वास्तविक दावेदार था। इसलिए ऐसी नियुक्ति को वैध नहीं माना जा सकता। यह मामला सिंडिकेट बैंक में अटेंडेंट पद की भर्ती से जुड़ा था। एक उम्मीदवार ने नौकरी प्राप्त करने के लिए अपनी स्नातक (ग्रेजुएशन) की डिग्री की जानकारी छिपा ली थी। मद्रास हाई कोर्ट ने वर्ष 2025 में उस उम्मीदवार के पक्ष में फैसला दिया था और उसे राहत प्रदान की थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के इस आदेश को रद्द करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया में तथ्यों को छिपाना गंभीर अनियमितता है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि नौकरी प्राप्त करने के लिए गलत या अधूरी जानकारी देना विश्वास और पारदर्शिता के सिद्धांतों के विपरीत है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों का निर्धारित मानकों पर खरा उतरना आवश्यक है। इसलिए टीईटी को लेकर किसी प्रकार की छूट नहीं दी जा सकती। अदालत ने शिक्षकों को राहत देते हुए टीईटी उत्तीर्ण करने की अंतिम समयसीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह अंतिम अवसर होगा और इसके बाद किसी प्रकार का अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। अदालत ने कहा कि सभी संबंधित शिक्षकों को निर्धारित अवधि के भीतर परीक्षा पास करनी होगी। इस निर्णय का असर देशभर के 20 लाख से अधिक शिक्षकों पर पड़ने की संभावना है, जिन्हें अब निर्धारित समयसीमा के भीतर टीईटी परीक्षा पास करनी होगी। इस मामले में विभिन्न राज्य सरकारों, शिक्षक संगठनों और व्यक्तिगत शिक्षकों की ओर से 65 से अधिक पुनर्विचार याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इन सभी याचिकाओं में वर्ष 2025 के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए अपने पूर्व निर्णय को बरकरार रखा और कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल के फैसलों से यह स्पष्ट हो गया है कि सुप्रीम Court भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता और छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। चाहे नौकरी के लिए योग्यता छिपाने का मामला हो, भाषा नीति का मूल्यांकन हो या शिक्षकों की पात्रता सुनिश्चित करने का प्रश्न—अदालत ने हर मामले में जवाबदेही और निष्पक्षता पर जोर दिया है। इन फैसलों को शिक्षा और रोजगार व्यवस्था में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिनका प्रभाव आने वाले वर्षों में व्यापक स्तर पर देखने को मिल सकता है।

दिल्ली होटल आग...

उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था। गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी। बजाज ने दावा किया कि सलाह देने वाले व्यक्ति ने उससे कहा था- होटल में ये सारे मॉडिफिकेशन नॉर्मल हैं और दिल्ली में सब चलता है। फ्लोरिश स्टे होटल के पास B&B (बेड एंड ब्रेकफास्ट) के तौर पर सिर्फ 6 कमरों का लाइसेंस था। रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के मुताबिक, पहली मंजिल पर 3 और दूसरी मंजिल पर 3 कमरे दर्ज थे। होटल सिल्वर कैटेगरी में रजिस्टर्ड था। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इमारत में करीब 25 कमरे चलाए जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, आग सुबह 8:30 बजे लगी। कुछ मिनट में धुआं पूरी इमारत में फैल गया। ऊपरी मंजिलों पर ठहरे लोगों को निकलने का मौका नहीं मिला।

यूपी सिर्फ आस्था...

ये भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रदेश है। पर्यटन को केवल सड़क, भवन और अन्य सुविधाओं तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और प्रदेश की वैश्विक पहचान से जोड़कर डेवलप किया जाना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 13 लाख 70 हजार से अधिक पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण किया जा चुका है। पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा करते हुए सीएम ने कहा कि यूपी को निवेश, इनोवेशन और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए। बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट विकसित करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र और कृषि पर्यटन जैसी नई कॉन्सेप्ट को बढ़ावा देने पर भी विचार किया गया। सीएम ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी होनी चाहिए जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को अलग तरह का अनुभव दे। आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय की समीक्षा के दौरान सीएम ने कहा कि राष्ट्रनायकों की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना राष्ट्रीय दायित्व है। संग्रहालय में शिवाजी महाराज के जीवन, स्वराज्य स्थापना, आगरा आगमन, औरंगजेब के दरबार में उनके साहस, आगरा से ऐतिहासिक प्रस्थान, राज्याभिषेक, सैन्य नेतृत्व और हिंदवी स्वराज्य की अवधारणा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। सीएम ने निर्देश दिए कि संग्रहालय में मराठा साम्राज्य और यूपी के संबंध, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनरुद्धार में अहिल्याबाई होल्कर की भूमिका, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता संग्राम के नायकों और ब्रज संस्कृति को भी प्रमुखता से स्थान दिया जाए। नैमिषारण्य के समग्र विकास की समीक्षा करते हुए सीएम ने कहा कि यह सिर्फ एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि भारत की वैदिक ज्ञान परंपरा और आध्यात्मिक साधना का जीवंत केंद्र है। इसके विकास में धार्मिक आस्था, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के बीच संतुलन जरूरी है।

राज्यसभा चुनाव...

यह सीट उपचुनाव के जरिए भरी जाएगी। 12 राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों पर 18 जून को चुनाव होगा। नामांकन भरने की लास्ट डेट 8 जून है। 244 सदस्यों वाले उच्च सदन में NDA के पास अभी 149 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 78 और गैर-गठबंधन वाले क्षेत्रीय दलों के पास 17 सांसद हैं। राज्यसभा सीटों की कुल संख्या 245 हैं। इनमें से 233 सीटों पर अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव होते हैं और 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए कितने वोटों की जरूरत होती है, ये पहले से ही तय होता है। वोटों की संख्या का कैलकुलेशन कुल विधायकों की संख्या और राज्यसभा सीटों की संख्या के आधार पर होता है। इसमें एक विधायक की वोट की वैल्यू 100 होती है। राज्यसभा चुनाव में किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए एक निश्चित संख्या में मतों की आवश्यकता होती है, जिसे जीतने का कोटा (Quota) कहा जाता है। महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 विधायक हैं।

रोहित की फिटनेस पर भी सस्पेंस ■ 13 जून को पहला वनडे खेलेगी टीम इंडिया

दावा : कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से हटे

खेल

- आईपीएल फाइनल मैच में अर्धशतकीय पारी के दौरान कोहली को दौड़ने में परेशानी हो रही थी।
- पारी के बीच में कोहली को मेडिकल असेसमेंट भी लेना पड़ा था।
- 13 जून को खेला जाएगा पहला वनडे मैच
- तिलक, सैमसन और पाटीदार संभावित विकल्प

अफगानिस्तान का भारत दौरा 6 जून से शुरू हो रहा है। टीम मुल्लांपुर स्टेडियम पर 6 जून से सिंगल टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 13 जून से 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

मुंबई, एजेंसी

विराट कोहली जांघ की मांसपेशियों में चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूज एजेंसी PTI ने BCCI के एक सूत्र के हवाले से इसकी पुष्टि की है। हालांकि, BCCI ने इसको लेकर अभी कोई बयान जारी नहीं किया है। अगर कोहली इस सीरीज से बाहर होते हैं तो वे 18 साल के करियर में पहली बार चोट की वजह से पूरी सीरीज से बाहर होंगे। टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोशेट ने कहा-कोहली और रोहित को लेकर अधिकृत जानकारी जल्द ही सामने आएगी। वनडे सीरीज से पहले उनकी फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। कोहली ने हाल ही में RCB को लगातार दूसरा IPL खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 75 रन की नाबाद पारी खेली थी। बताया जा रहा है कि इसी पारी के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी (जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव) हुई।

रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी नजरें

कोहली के अलावा, पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी सस्पेंस है। उन्हें हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने की शर्त पर टीम में शामिल किया गया था। रोहित को चोट के कारण IPL के कुछ मैचों से बाहर रहना पड़ा था। रोहित की फिटनेस पर अंतिम फैसला टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ की रिपोर्ट के आधार पर लिया जाएगा।

सीरीज की व्यूअरशिप पर असर पड़ेगा

कोहली और रोहित की गैरमौजूदगी से अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज की व्यूअरशिप पर असर पड़ेगा। क्योंकि, ये दोनों स्टार केवल वनडे क्रिकेट ही खेलते हैं। दोनों ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है।

■ IPL फाइनल मैच में अर्धशतकीय पारी के दौरान कोहली को दौड़ने में परेशानी हो रही थी।

दावा- सूर्यकुमार यादव से टी-20 कप्तानी छिनेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक उनकी टीम में जगह भी खतरे में है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से पहले BCCI, टीम मैनेजमेंट और चयन समिति नया कप्तान बनाने पर विचार कर रही है।

भारत की टीम इस महीने आयरलैंड में दो टी-20 मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर 5 टी-20 मुकाबले होंगे। इसी साल 8 मार्च को अहमदाबाद में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्डकप जीता था। इसके बावजूद बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2028 को लेकर यह फैसला लिया है। इस मामले में हेड कोच गंभीर से भी चर्चा की गई है।

IPL 2026 सीजन में सूर्यकुमार केवल 270 रन ही बना सके। इस दौरान उनका औसत 20.76 रहा। सूर्या ने इस सीजन दो अर्धशतक राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लगाया था।

■ 3 महीने पहले वर्ल्डकप जिताया था, आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में जगह मिलनी मुश्किल

सूर्या की कप्तानी में भारत ने 52 टी-20 मैच खेले। इसमें 42 जीते , 8 हार और दो मैच नो रिजल्ट रहा। उनका जीत प्रतिशत 80.76% है। सूर्यकुमार की अगुआई में भारत ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप, 2025 एशिया कप अपने नाम किया था।

सूर्यकुमार ने 113 मैचों में 3272 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.35 और स्ट्राइक रेट 162.94 रहा है।

पहला वनडे : वेस्टइंडीज को श्रीलंका ने 41 रन से हराया

मेंडिस और निसांका के अर्धशतक, चमीरा ने 4 विकेट झटके

किंग्सटन, एजेंसी

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे में 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा मुकाबला 7 जून को खेला जाएगा।

किंग्सटन के सबीना पार्क स्टेडियम में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। श्रीलंका ने कप्तान कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका की फिफ्टी की मदद से 7 विकेट पर 303 रन बनाए।

जवाब में 304 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी वेस्टइंडीज 262 रन पर ऑलआउट हो गई। दुष्मंथा चमीरा ने 4 विकेट लिए। कप्तान कुसल मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच रहे। मैथ्यू फोर्ड ने कुसल मेंडिस (72 रन) को अल्जारी जोसेफ के हाथों कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी। मेंडिस के बाद निसांका 79 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में जनिथ लियानागे (नाबाद 44) और चरित असालंका (नाबाद 45) ने टीम को 303/7 रन तक पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज, जॉयडन सेल्स और मैथ्यू फोर्ड ने दो-दो विकेट लिए। 304 रन चेज कर रही मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी रही। जस्टिन ग्रिव्स (45) और जॉन कैंपबेल (17) ने पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी कर ली थी।

निसांका-मेंडिस में शतकीय साझेदारी

जॉयडन सेल्स ने वेस्टइंडीज को पहला विकेट जल्दी दिला दिया। उन्होंने श्रीलंकाई ओपनर कामिंदु मेंडिस (12 रन) को शाई होप के हाथों कैच कराया। इसके बाद पथुम निसांका और कप्तान कुसल मेंडिस ने शतकीय साझेदारी कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया।

'आईपीएल बोरिंग था सिर्फ छक्के लग रहे थे'

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टन ने आईपीएल 2026 में उपयोग की जाने वाली पिचों की जमकर आलोचना की है। उनका कहना है कि आईपीएल में बल्लेबाज छक्के लगाते हैं और उन्हें देखने के बाद मैं ऊब गया था। इसकी वजह से बल्लेबाजों में कोई नई स्किल भी नहीं बन पाती है। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 में सबसे अधिक बार 200+ का स्कोर देखने को मिला।

टीमों ने 65 बार 200+ का स्कोर बनाया, जिसमें 17 बार विपक्षी टीमों ने स्कोर को चेज भी किया। यही नहीं इसी सीजन पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया था। लिविंगस्टन को सनराइजर्स हैदराबाद ने नीलामी में 13 करोड़ रुपए में खरीदा था लेकिन उन्हें अधिक मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद अब इंग्लिश खिलाड़ी ने इसको लेकर निराशा व्यक्त की है।

फ्रेंच ओपन में कोबोली-अर्नाल्डी के बीच मुकाबला, ज्वेरेव-मेंसिक भी टॉप-4 में

ग्रैंड स्लैम इतिहास में पहली बार 2 इटैलियन में सेमीफाइनल

पेरिस, एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेटी के बाहर होने के बावजूद फ्रेंच ओपन में इटली का दबदबा कायम है।

बुधवार रात फ्लावियो कोबोली और माटेओ अर्नाल्डी ने अपने-अपने मैच जीतकर मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब शुक्रवार को दोनों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा। यह ग्रैंड स्लैम इतिहास का पहला ऑल-इटैलियन मेंस सेमीफाइनल होगा।

ऑल-इटैलियन सेमीफाइनल पर कोबोली ने कहा- 'इटालियन टेनिस के लिए यह बेहद खुशी की बात है।' पिछले साल सिनर और मुसेटी दोनों अंतिम चार में पहुंचे थे, लेकिन ड्रॉ के अलग-अलग हिस्सों में थे।

24 वर्षीय कोबोली ने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम-4 में जगह बनाई। वहीं, अर्नाल्डी को हमवतन माटेओ बेरेटिनी के चोटिल होकर मैच छोड़ने से सेमीफाइनल का टिकट मिला। बेरेटिनी बाएं कूल्हे की चोट से जूझ रहे थे और दूसरे सेट में पीछे रहने के बाद मुकाबले से हट गए।

सारा एरानी और आंद्रेआ वावासोरी गुरुवार को मिश्रित युगल फाइनल खेलेंगे। वहीं, वावासोरी और सिमोने बोलेली पुरुष युगल के सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

ज्वेरेव-मेंसिक में दूसरा सेमीफाइनल

पुरुष एकल कैटेगरी का दूसरा सेमीफाइनल जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और चेक खिलाड़ी जैकब मेंसिक के बीच खेला जाएगा। ज्वेरेव ने स्पेन के राफेल जोदार को 7-6, 6-1, 6-3 से हराया। वहीं, मेंसिक ने ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-4, 6-3, 7-6 से हराया। फोन्सेका ने नोवाक जोकोविच को बाहर किया था।

मनोरंजन

'हीरामंडी' के बाद फिर ओटीटी पर विस्फोट करेंगे फरदीन खान

पहली बार इस हीरोइन संग स्क्रीन पर आएंगे नजर

नई दिल्ली। 90 के दशक के अभिनेताओं में सिर्फ बॉबी देओल और अक्षय खन्ना की ही दमदार वापसी नहीं हुई है, बल्कि फरदीन खान ने भी अब फिल्मी दुनिया में अपने कदम दोबारा जमा लिए हैं।

साल 2024 में फिल्म विस्फोट से अभिनय में वापसी करने के बाद अभिनेता फरदीन खान लगातार काम कर रहे हैं। उसके बाद उन्होंने फिल्म खेल खेल में, हाउसफुल 5 तथा वेब सीरीज हीरामंडी : द डायमंड बाजार की। वह मराठी फिल्म 'राजा शिवाजी' में अहम किरदार में दिखे। अब हीरामंडी के बाद एक बार फिर से फरदीन खान OTT पर जल्द ही एक नई वेब सीरीज में दिखाई देने वाले हैं।

मुंबई मनोरंजन संवाददाता की रिपोर्ट्स के अनुसार, फरदीन जिस वेब सीरीज का हिस्सा बनने जा रहे हैं उसका टाइटल 'कोक' है, जिसमें वह अभिनेत्री शेफाली शाह के साथ नजर आएंगे। इस शो को नेटफ्लिक्स (Netflix) के लिए बनाया जा रहा है, उल्लेखनीय है कि फरदीन की पहली वेब सीरीज हीरामंडी भी इसी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई थी। फरदीन और शेफाली शो की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। यह एक पीरियड ड्रामा वेब सीरीज होगी, जिसे एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। इसके निर्देशन की बागडोर वेब सीरीज 'फोर मोर शाट्स प्लीज!' का निर्देशन करने वाली नुपुर अस्थाना के हाथों में होगी। एकता कपूर की पीरियड ड्रामा वेब सीरीज में शेफाली और फरदीन के साथ टीवी के भी नामचीन कलाकारों को भी कास्ट किया गया है, हालांकि, उनके नाम सामने नहीं आए हैं।

पेरेंट्स बनें संभावना सेठ और अविनाश, कपल ने किया जुड़वा बच्चों का स्वागत

'महा दीवाली जल्दी आ गई'

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल अप्रैल के महीने में संभावना सेठ और उनके पति अविनाश द्विवेदी ने घोषणा की थी कि वे सरोगेसी के जरिए जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। अब फाइनली कपल के घर खुशियों ने दस्तक दे दी है। संभावना और अविनाश दो जुड़वा बच्चों के पेरेंट्स बन गए हैं। 4 जून को संभावना ने इंस्टा पोस्ट के जरिए अनाउंसमेंट की कि उनके घर एक बेटे और एक बेटी का जन्म हुआ है। संभावना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इस साल महा दिवाली जल्दी आ गई। लक्ष्मी और गणेश दोनों घर आ गए। हमारा दिल कृतज्ञता से भरा है। हर हर महादेव।

अब फाइनली जब वो मां बन गई हैं तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। संभावना ने अस्पताल से भी अपनी दो-तीन तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो काफी इमोशनल नजर आईं। तस्वीर देखकर ये लग रहा है कि संभावना डिलीवरी के समय अस्पताल में मौजूद थीं और अपने बच्चों का जन्म होते हुए भी देखा। ये सब देखकर एक्ट्रेस की आंखों में खुशी के आंसू नजर आए जबकि अविनाश उन्हें संभालते हुए दिखे।

संभावना और अविनाश ने 2016 में शादी की थी। शादी के 10 साल बाद कपल को माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। साल 2024 में, आईवीएफ के जरिए संभावना प्रेग्नेंट हुई थीं लेकिन उनका मिसकैरेज हो गया था। इसके बाद कपल ने सरोगेसी का विकल्प चुना।

कई बार फेल हुआ आईवीएफ

बता दें कि संभावना सेठ इस समय 45 साल की हैं और लंबे समय से बच्चे के लिए ट्राई कर रही थीं। उनके 8 IVF फेल हुए। वहीं संभावना के कई सारे दोस्त उन्हें बधाई दे रहे। गोविंदा की पत्नी सुनीता ने लिखा- बधाई हो ,भगवान आप सभी को आशीर्वाद दें। उर्फी जावेद ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई हो। इशिता अरुण ने टिप्पणी की, वाह संभवना! बहुत-बहुत खुश हूं। बहुत-बहुत बधाई हो।

हिना खान समेत कई सेलेब्स भड़के, एनजीओ ने की गिरफ्तारी की मांग, शिल्पा बोलीं- सुसाइड करने वाली थी

शिल्पा शिंदे ने फर्जी सेक्शुअल हैरेसमेंट केस करना कबूला

नई दिल्ली। बिग बॉस 11 की विनर और भाभी जी घर पर हैं एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अपने हालिया पॉडकास्ट से विवादों में घिर गई हैं। पॉडकास्ट में एक्ट्रेस ने कबूला कि उन्होंने अपने प्रोड्यूसर्स के खिलाफ फर्जी सेक्शुअल हैरेसमेंट की शिकायत दर्ज करवाई थी। पॉडकास्ट आते ही शिल्पा शिंदे के खिलाफ एक NGO ने एक्शन लिए जाने की मांग की है। इसके अलावा हिना खान, पूजा बेदी समेत कई सेलेब्स एक्ट्रेस की आलोचना कर रहे हैं। विवादों के बीच शिल्पा शिंदे ने सफाई में कहा है कि वो उस वक्त सुसाइड करने वाली थीं, लेकिन अब उन्हें किसी भी तरह के विवाद से कोई फर्क नहीं पड़ता। शिल्पा ने वीडियो में आपत्तिजनक इशारे भी किए। शिल्पा शिंदे ने कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाछिया के पॉडकास्ट में कहा है कि उन्होंने टीवी शो भाभी जी घर पर हैं के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ सेक्शुअल हैरेसमेंट की फर्जी शिकायत दर्ज करवाई थी। इससे उनकी बकाया पेमेंट चुका दी गई।

पॉडकास्ट के बाद आलोचना होने और विवाद बढ़ने के बाद शिल्पा शिंदे ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो जारी कर सफाई दी है। उन्होंने कहा है, 'ये जो पीआर चल रहा है, जो कमेंट्स आ रहे हैं, मुझे उन लोगों को बस इतना कहना है कि जो बोगे वही पाओगे। जो लोग बिना पूरी बात जाने समझे, मेरी चिंता कर रहे हैं कि अरे आपकी तो अब तक शादी ही नहीं हुई, वो लोग अपनी खुद की चिंता करें। एक सच बोलने वाले इंसान को आप झूठ बोल रहे हो। मुझे पता था कि ये होना ही है, क्योंकि दुनिया कभी किसी अच्छी चीज की तारीफ नहीं करती।'

ये बेहद शर्मनाक है- हिना खान

बिग बॉस 11 की को-कंटेस्टेंट हिना खान ने शिल्पा की कड़ी आलोचना कर आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'किसी की छवि खराब करने या किसी विवाद में जीतने के लिए अपने महिला होने का फायदा उठाना बिल्कुल शर्मनाक है। और हर किसी को इसका विरोध करने और न्याय की मांग करने का पूरा अधिकार है। मैं यह देखकर बेहद हैरान हूं। लेकिन मैं यहां उस #असली पीड़ितर की बात करना चाहता हूं। एक सम्मानित व्यक्ति, जिसकी पत्नी, बेटी और परिवार में कई महिलाएं हैं। एक मेहनती निर्माता, जिसने कई लोकप्रिय शो बनाए हैं। उसे एक कठिन दौर से गुजरना पड़ा।'

इसके लिए कड़ी सजा दी जानी चाहिए- पूजा बेदी

एक्ट्रेस पूजा बेदी ने वैराइटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में शिल्पा शिंदे की निंदा करते हुए कहा, 'कोई भी महिला जो पीड़ितों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों का इस्तेमाल बदला लेने, निजी फायदे, दबाव बनाने, प्रचार पाने या किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए करती है, वह उन कानूनों के असली उद्देश्य के साथ विश्वासघात करती है।' आगे उन्होंने कहा, 'झूठे आरोप न सिर्फ निर्दोष लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देते हैं, बल्कि इससे वास्तविक पीड़ितों की बात पर भी लोगों का भरोसा कम हो जाता है। कानून का इस तरह दुरुपयोग बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए कड़ी सजा होनी चाहिए।'

66

पुरुषों के हित में काम करने वाले एक एनजीओ ने शिल्पा शिंदे की गिरफ्तारी की मांग की है। एनसीएम इंडिया काउंसिल फॉर मैन अफेयर के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा गया है, मुंबई पुलिस, प्लीज शिल्पा शिंदे को अपने प्रोड्यूसर के खिलाफ झूठी शिकायत करने पर गिरफ्तार करें।

मेक्सिको ने इसे अपना बताया, ब्राजील में नाराजगी, 300 नस्लों से मिलकर बना कैरामेलो डॉग

आवारा कुत्ते के लिए भिड़े दो देश

विवाद

ब्राजीलिया, एजेंसी

ब्राजील और मेक्सिको के बीच इन दिनों भूरे रंग के एक अवारा कुत्ते को लेकर विवाद छिड़ गया है। इसका नाम कैरामेलो है। ब्राजील के लोग इस कुत्ते को देश की पहचान मानते हैं। उनका कहना है कि ब्राजील में कैरामेलो उतना ही खास है जितना फुटबॉल और सांबा संगीत। मेक्सिको ने इसी साल अप्रैल में कैरामेलो को स्थानीय नस्ल घोषित कर दिया जिसके बाद यह विवाद शुरू हुआ। मेक्सिको के इस फैसले ने ब्राजील में नाराजगी पैदा कर दी। कई ब्राजीलियाई लोगों को लगा कि उनकी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उनसे छीना जा रहा है।

साल 2025 में कैरामेलो कुत्ते पर नेटफ्लिक्स की एक फिल्म भी बनी थी।

ब्राजील में राष्ट्रीय विरासत बनाने की कोशिश

कैरामेलो पुर्तगाली भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ कैरेमल या टॉफी जैसा हल्का भूरा रंग होता है। इसी रंग के कारण ब्राजील में भूरे रंग के अवारा कुत्तों को 'कैरामेलो' कहा जाता है।

2019 में यह डॉग सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि लोगों ने ब्राजील के 10 रियास के नोट पर बने पक्षी की जगह कैरामेलो डॉग की तस्वीर लगाने की मांग शुरू कर दी। इसके लिए शुरू हुई एक याचिका पर करीब 50 हजार लोगों ने साइन किए।

इसके बाद 2023 में ब्राजील के सांसदों ने एक बिल पेश किया था, जिसमें कैरामेलो स्ट्रीट डॉग्स को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग की गई थी। हालांकि, यह कानून अब तक पास नहीं हो सका है। इसके बाद साओ पाउलो समेत कुछ राज्यों ने अपने स्तर पर इन्हें सांस्कृतिक विरासत का दर्जा देने वाले कानून बनाए। रियो डी जेनेरियो के एक डॉग पार्क में हाल ही में बड़ी संख्या में ऐसे भूरे कुत्ते दिखाई दिए।

2020 में 200 रियास के नोट पर भी इस कुत्ते की तस्वीर लगाने की मांग उठी, जिसे और ज्यादा समर्थन मिला।

कैरामेलो नाम इन कुत्तों के हल्के भूरे या टॉफी जैसे रंग की वजह से पड़ा है। ब्राजील में इन कुत्तों की लोकप्रियता इतनी ज्यादा है कि इन पर मीम बनते हैं, टी-शर्ट छपती हैं, वायरल गाने बनाए जाते हैं और कार्निवल परेड में इनके सम्मान में झांकियां तक निकाली जाती हैं। यहां तक कि इन्हें ब्राजील की मुद्रा पर जगह देने का प्रस्ताव भी चर्चा में आया था।

वैज्ञानिक दृष्टि से कैरामेलो किसी एक शुद्ध नस्ल का कुत्ता नहीं है। ब्राजील की जेनेटिक्स कंपनी DNA पेट्स की स्टडी के मुताबिक, यह 300 से ज्यादा विदेशी नस्लों के कुत्तों के मिश्रण से बना है। यह किसी एक समय पर विकसित की गई नस्ल नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों में सैकड़ों नस्लों के प्राकृतिक मिश्रण से बना कुत्ता है। शोध के अनुसार कैरामेलो की जड़ें उन कुत्तों तक जाती हैं जिन्हें पुर्तगाली उपनिवेशवादी अपने साथ ब्राजील लाए थे। बाद में इटली, जर्मनी, स्पेन और जापान से आए प्रवासी भी विभिन्न नस्लों के कुत्ते लेकर आए।

अमेरिकी ट्रेड वॉर की नई सुगबुगाहट

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (USTR) ने वैश्विक व्यापार जगत में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत और चीन सहित दुनिया के 54 देशों से आने वाले निर्यात पर 12.5% अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रस्ताव पेश किया है। अमेरिका के इस कड़े रुख से वैश्विक सप्लाई चेन और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में भारी तनाव पैदा होने की आशंका है। अमेरिकी प्रशासन ने इस दंडात्मक कदम के पीछे 'जबरन श्रम' को मुख्य वजह बताया है। USTR का आरोप है कि ये सभी देश अपने यहां ऐसे सामानों के उत्पादन और आयात को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं, जिनमें बंधुआ मजदूरी या जबरन श्रम का इस्तेमाल किया जाता है। USTR के मुताबिक, चीन की कॉटन (कपास) और पॉलीसिलिकॉन सप्लाई चेन में जबरन श्रम के पुख्ता सबूत मिले हैं। चूंकि इन

- भारत और चीन समेत 54 देशों पर 12.5% अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव

कच्चे मालों का इस्तेमाल दुनिया के अन्य देश भी अपने उत्पादों में करते हैं, इसलिए जांच का दायरा बड़ा हो गया है। प्रभावित होने वाले मुख्य सेक्टर्सः इस जांच के दायरे में स्टील, एल्युमिनियम, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और एग्रीकल्चर (कृषि) जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं, जिनसे अमेरिकी घरेलू व्यापार सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है।

फास्ट न्यूज

एटीएफ की कीमतों पर 75.60 प्रति लीटर कैप लगाया

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट संघर्ष के बीच सरकार ने एयरलाइंस कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों और हवाई यात्रियों को राहत देने के लिए 10,000 करोड़ के एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड को मंजूरी दी। इसके अलावा सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए ATF की कीमत 75.60 प्रति लीटर पर फिक्स (कैप) कर दी हैं।

दुनियाभर के टॉप लग्जरी ब्रांड्स का 'टॉप सीक्रेट' मुंबई में

मुंबई। क्रिस्टियन डियोर, प्रादा, गुची जैसे दुनिया के 30 से ज्यादा टॉप लग्जरी ब्रांड्स के कपड़ों पर भारत में कढ़ाई होती है। ये नामी ब्रांड्स अपने कपड़ों की खास कढ़ाई मुंबई की 'चाणक्य इंटरनेशनल' से करवाते हैं। यहां के कारीगर हाथ की कढ़ाई से 5,000 साल पुरानी विरासत बचाए हुए हैं। चाणक्य इंटरनेशनल की शुरुआत गुजरात के विनोद शाह ने 1984 में की थी। इसका मकसद भारतीय कपड़ों पर सामूहिक रूप से की गई कारीगरी का पूरी दुनिया में पहचान दिलाना था। दुनिया के सबसे महंगे डिजाइनर और रेडीमेड कपड़ों में भारतीय कढ़ाई की मांग सबसे ज्यादा है।

सोना 545 बढ़कर 1.56 लाख का 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 4 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 545 रुपए बढ़कर 1.56 लाख रुपए हो गया है। हालांकि चांदी के दाम में आज गिरावट है। 1 किलो चांदी की कीमत 2,432 रुपए कम होकर 2.59 लाख रुपए पर आ गई है।

मुकेश अंबानी से आगे निकले टिकटॉक के सह-संस्थापक

यिमिंग एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बने

मुंबई, एजेंसी

टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइडांस के को-फाउंडर झांग यिमिंग मुकेश अंबानी को पीछे छोड़कर एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, झांग की संपत्ति अब 8.9 लाख करोड़ रुपए (93 बिलियन डॉलर) हो गई है।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी की संपत्ति 8.31 लाख करोड़ रुपए (86 बिलियन डॉलर) रह गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति अडाणी ग्रुप के मालिक गौतम अडाणी हैं। झांग की दौलत बाइडांस की वैल्युएशन बढ़ने और एआई चैटबॉट डौबाओ की सफलता से बढ़ी है। यह भारत और दुनियाभर में मशहूर ओपनएआई के चैटजीपीटी और गूगल के जेमिनाई जैसा ही एडवांस्ड एआई असिस्टेंट है। चीन में इस चैटबॉट के 30 करोड़ यूजर्स हैं।

झांग 2019 में 1.24 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक थे। बीते 7 साल में उनकी संपत्ति सात गुना ये ज्यादा बढ़ चुकी है। अमेरिका में टिकटॉक का बिजनेस बिकने से कंपनी का संकट दूर हो गया।

ब्लूमबर्ग ने इसकी वैल्यू में 25% कटौती घटाकर 10% कर दी है। इससे ब्लैकरॉक और फिडेलिटी जैसे निवेशकों के विश्लेषण के बाद झांग की संपत्ति 2.30 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। कंपनी एआई सेक्टर में इस साल 6.7 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी।

पीएम मोदी से मिलीं, दोनों देशों के बीच तेल सप्लाई को लेकर बड़ा समझौता हो सकता है

होर्मुज संकट के बीच भारत आईं वेनेजुएलाई राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बुधवार को पीएम मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब भारत और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा सहयोग तेजी से बढ़ा है। माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच तेल सप्लाई को लेकर बड़ा समझौता हो सकता है।

इससे पहले विदेश मंत्री जयशंकर ने भी डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि भारत-वेनेजुएला संबंधों को मजबूत करने में रोड्रिगेज की लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका रही है और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत दोनों देशों के सहयोग को और आगे बढ़ाएगी।

अमेरिका ने 4 जनवरी को तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का तख्तापलट कर दिया था। इसके बाद से रोड्रिगेज कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं। रोड्रिगेज की भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है। होर्मुज संकट की वजह से भारत वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश कर रहा है।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार दोपहर प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की।

वेनेजुएला तीसरा सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना

एनर्जी ट्रैक करने वाली एजेंसी केप्लर के डेटा के मुताबिक, मई 2026 में वेनेजुएला ने तेल सप्लाई के मामले में सऊदी अरब और अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। अभी केवल रूस और UAE ने ही उससे ज्यादा तेल सप्लाई किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस महीने भारत को वेनेजुएला से होने वाली तेल सप्लाई अप्रैल के मुकाबले करीब 50 फीसदी बढ़ गई है।

अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वहां के तेल निर्यात पर कुछ ढील दी थी। उसी के बाद अप्रैल से भारत में फिर से वेनेजुएला का तेल आना शुरू हुआ। करीब 303 अरब बैरल तेल भंडार के साथ वेनेजुएला दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार वाला देश माना जाता है। यह भंडार सऊदी अरब और अमेरिका से भी ज्यादा है। अब अमेरिका और वेनेजुएला दोनों कोशिश करेंगे कि भारत के साथ ऐसा समझौता हो, जिससे वेनेजुएला से तेल निर्यात में आई यह तेजी आगे भी जारी रह सके।

दिल्ली की होटल में आग पर वर्ल्ड मीडिया: बीबीसी की रिपोर्ट- नियमों की अनदेखी से हादसा

'भारतीय इमारतों में सुरक्षा इंतजाम नहीं'

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार सुबह लगी भीषण आग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान खींचा है। हादसे में 21 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 17 विदेशी नागरिक शामिल बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की सहायता राशि की घोषणा की है।

हादसे की गंभीरता और बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों की मौत के कारण दुनिया के कई प्रमुख मीडिया संस्थानों ने इसे प्रमुखता से कवर किया है। ब्रिटेन, जर्मनी, अमेरिका और अन्य देशों के मीडिया ने अपनी रिपोर्टों में दिल्ली के होटल

में लगी आग, बचाव अभियान और विदेशी नागरिकों की मौत पर फोकस किया है।

दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि जांच की जा रही है कि इमारत को गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल की इजाजत थी या नहीं। अगर किसी तरह की लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रत्यक्षदर्शियों के

दक्षिण दिल्ली इमारत में लगी आग से मरने वालों में कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जो इलाज के लिए भारत आए थे।

यह इमारत एक गेस्ट हाउस की तरह इस्तेमाल की जा रही थी, जहां पास के प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज और उनके परिवार वाले रुकते थे।

मुताबिक आग बहुत तेजी से फैली, जिससे ऊपरी मंजिलों पर मौजूद लोग फंस गए। कई लोगों ने जान बचाने के लिए दूसरी और तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने सड़क पर गद्दे बिछाकर लोगों को कूदने में मदद की और कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। भारत में आग लगने की ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। जांच रिपोर्ट्स में कई बार खराब बिजली व्यवस्था, सुरक्षा नियमों की अनदेखी और तय इस्तेमाल से अलग तरीके से चल रही इमारतों को ऐसे हादसों की बड़ी वजह बताया गया है।

कतर के अल जजीरा ने लिखा- भारत में आग की घटनाएं अक्सर होती हैं

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में आग जिस इमारत में लगी, जिसके निचले हिस्से में एक रेस्तरां था और ऊपर होटल चल रहा था। आग लगते ही इमारत में धुआं भर गया और कई लोग अंदर फंस गए। दमकल की आठ गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक 40 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों पर आ गए थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे। आसपास के लोगों ने भी राहत कार्य में मदद की और कई घायलों को एम्बुलेंस आने से पहले सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। भारत में आग लगने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। कई इमारतों में सुरक्षा के जरूरी इंतजाम पूरे नहीं होते, इसलिए जब आग लगती है तो बड़ा नुकसान होता है और लोगों की जान भी चली जाती है।

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी खत्म : मार्को रूबियो

ईरान पर अब हमले नहीं करेगा अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को एक बार फिर दावा किया कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त हो चुका है। इसके उलट घातक हमले जारी रहे। वहीं रूबियो ने हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी को बताया कि अमेरिका ने जीत हासिल कर ली है।

उन्होंने कहा, हम अब ईरान के भीतर उनकी सेना को कमजोर करने के लिए लगातार हमले नहीं कर रहे हैं, क्योंकि 'एपिक फ्यूरी' अब खत्म हो चुका है। अमेरिका-इजरायल युद्ध 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम दिया गया है। यह 28 फरवरी को ईरान पर हुए पहले हमलों के बाद से पूरे मिडिल-ईस्ट को अपनी चपेट में ले चुका है।

ईरान ने इस क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगियों को निशाना बनाकर और

होर्मुज स्ट्रेट को प्रभावी ढंग से अवरुद्ध करके जवाब दिया है। रूबियो ने कहा, हम जीत को इस तरह परिभाषित करते हैं कि उनके रक्षा औद्योगिक आधार को नष्ट कर दिया जाए, उनके पास मौजूद मिसाइल लॉन्चरों की संख्या में भारी कमी लाई जाए और उनके ड्रोन के जखीरे को काफी हद तक कम कर दिया जाए। उन्होंने आगे कहा, और हमने ये सब हासिल किया। इसके अलावा, हमने उनकी बची-खुची वायुसेना को भी तबाह कर दिया और उनकी पूरी पारंपरिक नौसेना का सफाया कर दिया।

झटका : आयोजन के बीच यूक्रेन ने सेंट पीटर्सबर्ग पर बड़ा ड्रोन हमला किया

रूस के रणनीतिक उत्तरी हब तक पहुंची जंग

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के सबसे बड़े आर्थिक मंच के आयोजन के बीच यूक्रेन ने सेंट पीटर्सबर्ग पर बड़ा ड्रोन हमला कर क्रेमलिन को एक करारा झटका दिया है। जब दुनिया भर से हजारों प्रतिनिधि इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंच रहे थे, ठीक उसी समय यूक्रेनी ड्रोनों ने शहर के ऊर्जा और सैन्य ठिकानों को अपना निशाना बनाया।

इस हमले ने न सिर्फ बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि रूस की आर्थिक स्थिरता और अचूक सुरक्षा के दावों को भी एक बड़ा प्रतीकात्मक आघात दिया है।

यह हमला मुख्य रूप से पीटर्सबर्ग ऑयल टर्मिनल और क्रोनस्टैड में नौसैनिक सुविधाओं को निशाना बनाकर किया गया था। हालांकि 2024 के बाद से इस शहर को ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ा है, लेकिन यह ताजा हमला अपने टाइमिंग के कारण विशेष रूप से चर्चा में है। सेंट पीटर्सबर्ग के गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव के अनुसार, इन हमलों में शहर की कई बुनियादी ढांचा सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है और कई लोग घायल हुए हैं, हालांकि किसी की मौत की खबर नहीं है।

रूस के दावोस स्पीफ से पर हमला

सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (SPIEF) रूस का सबसे प्रमुख निवेश और व्यापारिक आयोजन है, जो हर साल सरकारी नेताओं, कॉर्पोरेट अधिकारियों और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को आकर्षित करता है। इस तीन दिवसीय आर्थिक मंच में 130 देशों के लगभग 20,000 प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद थी, जिसे अक्सर रूस का दावोस भी कहा जाता है। यह मंच क्रेमलिन के लिए यह प्रदर्शित करने का एक बेहद महत्वपूर्ण जरिया बन गया है कि मास्को को अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के प्रयासों के बावजूद, रूस आर्थिक रूप से मजबूत बना हुआ है और नए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को आकर्षित करने में पूरी तरह सक्षम है।

क्यों खास है सेंट पीटर्सबर्ग?

जार पीटर द ग्रेट द्वारा 1703 में स्थापित सेंट पीटर्सबर्ग 1918 तक रूसी साम्राज्य की राजधानी रहा था। अक्सर रूस की यूरोप के लिए खिड़की के रूप में वर्णित यह शहर आज भी देश के सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक केंद्रों में से एक है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इसका नाम बदलकर पेट्रोग्राद और बाद में सोवियत शासन के तहत लेनिनग्राद कर दिया गया था। यह शहर 1917 की रूसी क्रांति का मुख्य केंद्र था और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इसने लेनिनग्राद की 872 दिनों की ऐतिहासिक घेराबंदी को झेला था, जो आधुनिक इतिहास की सबसे घातक घेराबंदी में से एक थी।

अपने ऐतिहासिक महत्व के अलावा, यह एक बड़ा आर्थिक और व्यापारिक केंद्र भी है। बाल्टिक सागर के तट पर स्थित सेंट पीटर्सबर्ग बाहरी दुनिया के साथ रूसी व्यापार के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यह शहर जहाज निर्माण, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और प्रौद्योगिकी सहित प्रमुख उद्योगों का गढ़ है, जबकि इसके बंदरगाह रूस के समुद्री व्यापार के एक बड़े हिस्से को संभालते हैं।

अमेरिका में एक भारतीय पर दर्ज हुआ केस

गर्भवती किशोरी की जान लेने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में 33 साल के एक भारतीय व्यक्ति पर केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि उसने गर्भवती महिला की जान ली है। ओहियो में एक रेंज रोवर वेलार दुर्घटना में मारी गई गर्भवती किशोरी की मां ने कहा है कि वह चाहती हैं कि इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट इस घटना के लिए आरोपी भारतीय व्यक्ति को देश से बाहर निकाल दे। एनेट होम्स ने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि तरसेम सिंह देश में रहे। पीड़ितों के परिवार के अनुसार, तरसेम सिंह 17 वर्षीय ऐशली होम्स के अजन्मे बच्चे का पिता था और वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा एक भारतीय नागरिक था। रिश्तेदारों ने न्यूजवीक को बताया कि ऐशली ने इस रिश्ते से बाहर निकलने की कई बार कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाई। पुलिस के अनुसार, 16 फरवरी

को जब गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई तब एशली एक रेंज रोवर वेलार में सवार थी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब सिंह ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों के कहने पर गाड़ी नहीं रोकी और डिप्टी अधिकारियों के साथ तेज रफ्तार से पीछा करना शुरू कर दिया। इस दौरान गाड़ी की रफ्तार लगभग 100 मील प्रति घंटा तक पहुंच गई थी और अंत में यह सिलसिला एक टक्कर के साथ समाप्त हुआ। गाड़ी एक मोड़ पर काबू में नहीं रही, सड़क के बीच से बाईं ओर चली गई और कई बार पलटने से पहले एक जीप से टकरा गई। कार के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एशली कार से बाहर जा गिरी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676